■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 181 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 26-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश, देश की अर्थव्यवस्था का संबल बन रहा : योगी आदित्यनाथ

6 अमेरिकी दबाव के बीच भारतीय बजट की बड़ी परीक्षा

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार 26 जनवरी 2026 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सफल गणतंत्र

अखिल विश्व को युगों-युगों से,
जिसने दिया ज्ञान उजियारा।
आई कितनी ही बाधाएं,
किंतु नहीं भीतर से हारा।
शांति अहिंसा समरसता का,
जिसने दिया जगत को नारा।
मस्तक ऊंचा करके बोलो,
सफल सबल गणतंत्र हमारा।।

भारत दुनिया में शांति का संदेश फैला रहा है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न महाद्वीपों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच रविवार को कहा कि भारत विश्व में शांति का संदेश फैला रहा है, जो मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

मुर्मू ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और महिला सशक्तीकरण समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की और वंदे मातरम् तथा देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर भी चर्चा की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने शांति के ''संदेशवाहक'' के रूप में भारत की स्थिति को रेखांकित करते हुए सार्वभौमिक सद्भाव के प्रति प्राचीन सभ्यतागत प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। उन्होंने कहा, ''हमारी परंपरा में, समस्त सृष्टि में शांति के बने रहने की प्रार्थना की जाती रही है। पूरे विश्व में शांतिपूर्ण व्यवस्था स्थापित होने से ही मानवता का भविष्य सुरक्षित रह सकता है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में व्याप्त अशांति के वातावरण में, भारत द्वारा विश्व-शांति का संदेश प्रसारित किया जा रहा है।''

अपने संबोधन के दौरान, राष्ट्रपति ने सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट करने वाले सटीक हमले, ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

दुनिया भारत को बेंगलूरु के नजरिए से देखती है : शिवकुमार

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि आज दुनिया बेंगलूरु के नजरिए से भारत को देख रही है, जो देश के विकास और युवाओं में वैश्विक विश्वास को रेखांकित करता है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक से लौटने पर यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला देश है। लोगों को इस देश के युवाओं पर बहुत भरोसा है। विश्व नेता बेंगलूरु के नजरिए से भारत को देख रहे हैं। इस शहर में फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से अधिकांश के कार्यालय हैं।

भारतीय उत्पाद उच्च गुणवत्ता के पर्याय होने चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योग जगत एवं स्टार्टअप से गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने तथा विनिर्माण में उत्कृष्टता को एक मानदंड बनाने का संकल्प लेने का रविवार को आग्रह किया।

मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भारतीय उत्पाद उच्च गुणवत्ता के पर्याय होने चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत से ऐसे उत्पादों का निर्माण करने का आग्रह किया जिनमें किसी प्रकार की कमी नहीं हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 130वें 'मन की बात' संबोधन में कहा, ''हम जो कुछ भी निर्मित करते हैं, आइए, उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का संकल्प लें। चाहे वह हमारे वस्त्र हों, प्रौद्योगिकी हो, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हों या पैकेजिंग, हर भारतीय उत्पाद 'सर्वोत्तम गुणवत्ता' का पर्याय होना चाहिए।'' उन्होंने उन युवाओं के प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने 10 साल पहले 2016 में शुरू हुई भारत की स्टार्टअप यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मोदी ने कहा, ''आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेशी तंत्र बन गया है। ये स्टार्टअप ढर्रे से हटकर काम कर रहे हैं; ये उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जिनकी कल्पना भी 10 साल पहले तक नहीं की जा सकती थी।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप कंपनियां एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, परिवहन एवं आवागमन, हरित हाइड्रोजन और जैव प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''आप किसी भी क्षेत्र का नाम लीजिए और आपको उस क्षेत्र में काम करने वाला कोई न कोई भारतीय स्टार्टअप मिल जाएगा। मैं अपने उन सभी युवा मित्रों को सलाम करता हूं जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।''

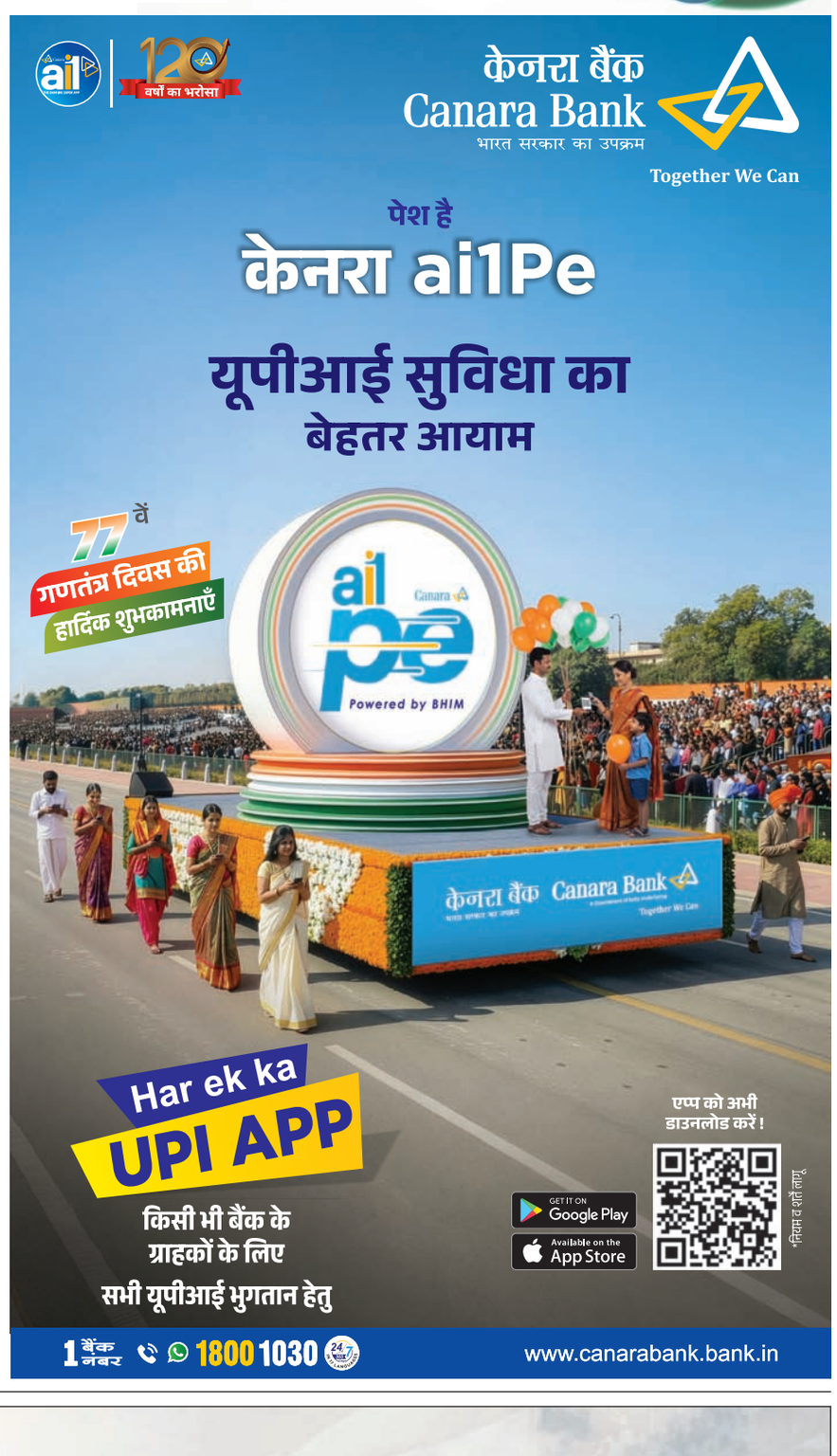

मर्यादा कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंज्या के तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'मर्यादा महोत्सव मर्यादा क्विज चलो खोजें मर्यादा का मर्म' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मर्यादाओं के महत्व को समझना और उसे व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। मंत्री सरला बोथरा ने मर्यादा क्विज में 4 टीम बनाकर पूरी कार्यशाला का आयोजन किया। किशनलाल आच्छा और चंदनमल बोहरा ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए विजेता टीम को बधाई दी और सम्मानित किया। पुष्पा बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया।

गणतंत्र दिवस परेड में अपनी सैन्य शक्ति और विकास यात्रा प्रदर्शित करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में अपनी विकास यात्रा, सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करेगा। इस दौरान हाल ही में गठित सैन्य इकाइयों के साथ-साथ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तैनात प्रमुख हथियार प्रणालियों के मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह का थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस समारोह की अगुवाई करेंगी, जो सुबह 10:30 बजे शुरू होगा और लगभग 90 मिनट तक चलेगा। समारोह की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जाने से होगी जहां वह शहीदों को पूरे राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्पचक्र अर्पित करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्य अतिथियों के 'पारंपरिक बग्गी' में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की संभावना है। राष्ट्रपति मुर्मू के साथ उनके अंगरक्षक भी होंगे जो उन्हें सुरक्षा प्रदान करेंगे। करीब 100 सांस्कृतिक कलाकार परेड की शुरुआत करेंगे, जिसका विषय 'विविधता में एकता' होगा। यह परेड संगीतमय वाद्यों का भव्य प्रदर्शन होगी जो देश की एकता और समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करेगी। 129 हेलीकॉप्टर यूनिट के ध्वज फॉर्मेशन में चार एमआई-17 चार हेलीकॉप्टर पुष्प वर्षा करेंगे। इसके बाद परेड की शुरुआत होगी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सलामी लेंगी। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल भावनिश कुमार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, दिल्ली एरिया करेंगे, जो दूसरे पीढ़ी के अधिकारी हैं।

नौशेरा से कर्तव्य पथ तक-सीआरपीएफ अधिकारी सिमरन बाला की प्रेरणादायक यात्रा

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा से कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित राजौरी के लोग इस गणतंत्र दिवस पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं। जिले के एक सीमावर्ती गांव की रहने वाली सिमरन बाला 26 जनवरी को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर सीआरपीएफ की एक पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 26 वर्षीय सहायक कमांडेंट जिले की पहली महिला हैं जिन्होंने देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल में अधिकारी रैंक में शामिल होने का गौरव प्राप्त किया है। उनके परिवार ने इस पल को अपार गर्व का क्षण बताया और कहा कि बाला की उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए प्रेरणा है। उनकी बहन शैल बाला ने कहा, नौशेरा के सीमावर्ती गांव से कर्तव्य पथ तक का उनका सफर चुनौतीपूर्ण रहा है, उन्होंने हम सभी को गौरवान्वित किया है। नौशेरा सेक्टर के उनके गांव में रिश्तेदार और शुभचिंतक परेड से पहले परिवार को बधाई देने के लिए उनके घर आ रहे हैं।

संघ में प्राण प्रतिष्ठा का कार्य करता है अनुशासन : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसकोटे। शहर के साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में मर्यादा महोत्सव का आयोजन होसकोटे में किया गया। मर्यादा रैली के साथ श्रावक श्राविका प्रवचन स्थल पहुंचे। साध्वी संयमलताजी ने भिक्षु भक्ति के साथ समाज को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन बल, सिद्धांत बल, मर्यादा बल, अध्यात्म बल हर संस्था को शक्तिशाली बनाते हैं। अनुशासनयुक्त संघ ही वास्तव में संघ होता है। अनुशासन व मर्यादा संघ में प्राण प्रतिष्ठा का कार्य करता है। मर्यादा पत्र का हर अक्षर आचार्य भिक्षु की तपस्या और उनकी उज्ज्वल आचार निष्ठा की बूँदों से भीगा हुआ है इसलिए वह उनके अनुयायियों में उनके पथ पर चलने की निष्ठा और सामर्थ्य देता है।

साविभाग, समभाग, सौहार्द, व्यवस्था और कला मुक्ति इन पाँच उद्देश्यों के लिए आचार्य भिक्षु ने मर्यादाओं का निर्माण किया जिससे आज भी तेरापंथ एक सुसंगठित एवं अनुशासित धर्मसंघ है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि संघ परिवार जीवन में अति महत्वपूर्ण है अनुशासन, जो परिवार के रिश्तों की डोर संभाले रखने वाला सिद्ध होगा।

साध्वी मनीषाप्रभाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु मर्यादा पुरुषोत्तम थे, जिनकी नस-नस में आगमवाणी का स्थान था। साध्वी रौनक प्रभाजी ने विचार व्यक्त किए। ज्ञानशाला के बच्चों व टीसी पाल्या के बच्चों ने सोशल मीडिया जीवन में घातक है विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर होसकोटे व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में तेरापंथ समाज के सदस्य उपस्थित थे।

कश्मीर में ताजा बर्फबारी, श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग आंशिक रूप से बहाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। भारी बर्फबारी के कारण दो दिन से अधिक समय तक बंद रहने के बाद श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग को रविवार को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया। श्रीनगर समेत कश्मीर के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह ताजा बर्फबारी हुई जिससे राजमार्ग पर बर्फ हटाने के कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है। नाशरी और नवयुग सुरंगों के बीच फंसे वाहनों को पहले हटाया जा रहा है।''

शुक्रवार को भारी बर्फबारी के कारण सड़क बंद होने के बाद से 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे गए थे। श्रीनगर शहर में भी तड़के हल्की बर्फबारी हुई। हालांकि, श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानों का संचालन खराब मौसम से प्रभावित नहीं हुआ और तीन उड़ान पहले ही आ चुकी हैं।

यहां भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने कहा, ''श्रीनगर हवाईअड्डे पर उड़ान परिचालन सामान्य रूप से जारी है।'' अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन सेवाएं भी निर्धारित समयसारणी के अनुसार उपलब्ध हैं।

कश्मीर में हिमपात से जलस्तर बहाल होने में मिलेगी मदद: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश में हुई बर्फबारी लोगों के लिए वरदान साबित हुई है, क्योंकि इससे पर्यटकों का आना शुरू हो गया है और जलस्तर भी बहाल होगा। अब्दुल्ला ने कहा कि घाटी में समय पर हुई बर्फबारी से लोगों को फायदा होगा, क्योंकि कम वर्षा से सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती थी।

मुख्यमंत्री ने उत्तरी कश्मीर में बारामूला जिले के स्कीइंग रिसॉर्ट गुलमर्ग में पत्रकारों से कहा, ''इस बार चिल्ला-ए-कलां में बर्फबारी हुई है, जो अच्छी बात है। लोग (पर्यटक) अब यहां आने लगे हैं, क्योंकि वे बर्फबारी का इंतजार कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''अगर यह बर्फबारी न होती तो गर्मियों में हमें पानी की कमी का सामना करना पड़ता।'' श्रीनगर समेत कश्मीर के कई हिस्सों में रविवार को फिर से हिमपात हुआ। इसके कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया। अब्दुल्ला ने बताया कि वह हिमपात के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए यहां पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए गए पुनर्निर्माण कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

लोग वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य के रूप में बहुत भारी कीमत चुका रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से लोगों को स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चे और बुजुर्ग भुगत रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लोगों से वायु प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। राहुल ने लिखा, हम वायु प्रदूषण की बहुत भारी कीमत चुका रहे हैं-अपने स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी और देश की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी। करोड़ों आम भारतीय हर दिन इसका बोझ झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, बच्चे और बुजुर्ग इसकी वजह से सबसे ज्यादा पीड़ा सहते हैं। निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी कामगार, जैसे लोग इसकी सबसे बड़ी मार झेलते हैं। राहुल ने कहा कि इस समस्या को सर्दी खत्म होते ही भुला नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, बदलाव की पहली कड़ी है अपनी आवाज उठाना। कांग्रेस नेता ने एक लिंक साझा किया और लोगों से इस पर यह बताने का आग्रह किया कि वायु प्रदूषण ने उन्हें या उनके प्रियजनों को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, आपकी आवाज महत्वपूर्ण है और इसे बुलंद करना मेरी जिम्मेदारी है।

भारत, यूरोपीय संघ पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध : पीयूष गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) दोनों पक्षों की कंपनियों और लोगों की समृद्धि के लिए परस्पर लाभकारी और महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। मंत्री ने लिखा है, हम अपने व्यवसायों और लोगों की समृद्धि के लिए एक परस्पर लाभकारी और महत्वाकांक्षी भारत-ईयू एफटीए के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले एक साल में हमारे और हमारी टीमों के बीच निरंतर और रचनात्मक जुड़ाव हमें एक फलदायी परिणाम के करीब ले आया है। अन्य अधिकारियों के साथ भारत आए मारोस सेफकोविच ने कहा कि मंत्री गोयल के साथ यह उनकी व्यक्तिगत रूप से 10वीं मुलाकात होगी। उन्होंने लिखा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम एफटीए वार्ता के समापन के करीब हैं।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज ने मनाया सूर्य सप्तमी महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु द्वारा रविवार को जेपी नगर सूर्य मंदिर में सूर्य सप्तमी महोत्सव अध्यक्ष सुनील शर्मा की अध्यक्षता में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में प्रातः पंडित श्रेयांश पांडे के सान्निध्य में भगवान भाष्कर का विशेष अभिषेक एवं यज्ञ-हवन हुआ, महामंगला आरती के पश्चात वरघोड़ा निकाला गया। साथ ही समाज के सदस्यों ने विभिन्न वार्षिक बोलियों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। आदित्य महिला मंडल की चंद्रा शर्मा एवं संतोष शर्मा की उपस्थिति में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। इस मौके पर शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के अनेक बंधु उपस्थित थे।

बजट में नीतिगत निरंतरता, सीमा शुल्क सुधारों पर ध्यान दे सरकार: स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन

नई दिल्ली/भाषा। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीयूष अरोड़ा का कहना है कि आगामी आम बजट में नीतिगत निरंतरता, अवसंरचना का विकास और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना ऑटोमोबाइल क्षेत्र की रफ्तार बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

स्कोडा, फॉक्सवैगन, ऑडी, बेंटले, लैंबॉर्गिनी और पोर्श जैसे छह ब्रांड के भारतीय परिचालन का प्रबंधन करने वाले पुणे स्थित इस समूह ने वैश्विक एकीकरण को समर्थन देने के लिए सीमा शुल्क सुधारों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के महत्व पर भी जोर दिया।

अरोड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि पिछले साल पेश किए गए जीएसटी सुधारों से घरेलू यात्री वाहन उद्योग में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, उस दृष्टिकोण से, यदि आगामी बजट में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के कुछ महत्वपूर्ण शुल्कों से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जाता है, तो इससे मदद मिलेगी। हमारे क्षेत्र के लिए नीतिगत निरंतरता के साथ अवसंरचना के विकास और ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर और अधिक ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अरोड़ा ने कहा कि सीमा शुल्क सुधारों से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निर्यात और आयात दोनों को प्रबंधित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली को देश का आर्थिक केंद्र बनाने की जरूरत: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में रविवार को अपने पहले संबोधन में कहा कि दिल्ली को देश का सबसे मजबूत आर्थिक केंद्र बनने की जरूरत है।

गुप्ता ने छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते की घोषणा इस सप्ताह होने की उम्मीद है जो दिल्ली के लिए लाभकारी हो सकता है क्योंकि इससे शहर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए यूरोपीय संघ के देशों में 45 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंचने के द्वार खुल जाएंगे। दिल्ली सरकार गणतंत्र दिवस समारोह हर साल 25 जनवरी को आयोजित करती है।

गुप्ता ने पिछले 11 महीनों में दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, कारोबार सुगमता, सामाजिक कल्याण, परिवहन और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए अपनी सरकार के कामकाज को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'सुरक्षित शहर परियोजना' के तहत दिल्ली सरकार शहर भर में 10,000 उन्नत सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू होने के बाद अब तक 6.5 लाख लोगों का पंजीकरण हो चुका है और 30,000 से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शहर में 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने के लिए सरकार ने दिल्ली शिक्षा अधिनियम पारित किया जिससे लाखों अभिभावकों और छात्रों को लाभ होगा।

राजग नेता जगनमोहन के भूमि सुधारों के श्रेय की चोरी करते हैं : वाईएसआरसीपी

अमरावती/भाषा। वाईएसआरसीपी के सांसद एम. गुरुमूर्ति ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं पर आंध्र प्रदेश में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान लागू किए गए भूमि सुधारों का ''श्रेय लेने'' का आरोप लगाया और कहा कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। गुरुमूर्ति ने केंद्रीय मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर पर भूमि स्वामित्व अधिनियम और पुनर्सर्वेक्षण पर विरोधाभासी बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे बयान लोगों को गुमराह करने एवं भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से दिए गए। तिरुपति से सांसद गुरुमूर्ति ने शनिवार देर रात जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''राजग गठबंधन को पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल में शुरू किए गए ऐतिहासिक भूमि सुधारों को लेकर श्रेय चोरी की राजनीति से बचना चाहिए, क्योंकि जनता को गुमराह करने का कोई भी प्रयास केवल उपहास कराएगा।'' उन्होंने कहा कि 'जगनन्ना भू हक्कू-भू रक्षा' कार्यक्रम को केंद्र से प्लेटिनम ग्रेड मिला था, जिसके बाद आंध्र प्रदेश को प्रोत्साहन के रूप में लगभग 400 करोड़ रुपए दिए गए थे।

संगीत उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के स्वरमेधा संगीत संस्थान द्वारा उत्तरहल्ली स्थित बीजेएस ऑडिटोरियम में 'स्वरमेधा संगीत उत्सव' का आयोजन किया गया जिसमें बी जी श्रीनिवास को स्वरमेधा संगीत रत्न पुरस्कार, विद्वान श्रीधर सागर को स्वरमेधा संगीत विभूषण पुरस्कार, विद्वान साईं विग्नेश को स्वरमेधा संगीत श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामचंद्र भट्ट कोटेमने, ह्यग्रीव आचार, मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत, पोलू अंकित रेड्डी, डॉक्टर चिन्मय राव आदि उपस्थित थे।

अदाणी समूह, एम्ब्रेयर अगले सप्ताह भारत में वाणिज्यिक विमान बनाने की करेंगे घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर अगले सप्ताह भारत में नागरिक विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (विमानों को जोड़ने और तैयार करने की इकाई) स्थापित करने की योजना की घोषणा करेंगे। देश में विमान विनिर्माण के प्रयासों को बढ़ावा देने की दिशा में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। एयरलाइंस द्वारा बेड़े का विस्तार करने और नए हवाई अड्डों के निर्माण के कारण हवाई यातायात की मांग लगातार बढ़ रही है। सूत्रों के अनुसार, अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के अधिकारियों द्वारा 27 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

हैदराबाद : फर्नीचर की दुकान की इमारत में आग लगने के बाद दम घुटने से दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेंलगाना की राजधानी हैदराबाद के नामपल्ली इलाके में फर्नीचर की दुकान की एक चार मंजिला इमारत में आग लगने के बाद ''दम घुटने'' से दो बच्चों और एक बुजुर्ग महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को इमारत में भीषण आग लग गई थी, जिसके बाद इमारत के बेसमेंट में फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि पांच लोग लापता हैं। रविवार को इमारत के बेसमेंट में अलग-अलग स्थानों से दो बच्चों और एक बुजुर्ग महिला समेत सभी पांचों के शव बरामद कर लिए गए। जान गंवाने वालों में शामिल अन्य दो पुरुषों की उम्र 30 वर्ष के आसपास थी। वे हैदराबाद के निवासी थे और उसी इमारत में काम करते थे। अधिकारियों ने कहा, ''वे (दोनों कर्मचारी) बच्चों और महिला को बचाने के लिए अंदर गए थे, लेकिन आग के विकराल रूप लेने के कारण बाहर नहीं निकल सके और वहीं फंस गए।'' सात और 11 वर्ष के दोनों बच्चे इमारत के सुरक्षा गार्ड के बेटे थे, जिनका परिवार बेसमेंट में ही रहता था। तेलंगाना के नलगोंडा जिले का निवासी सुरक्षा गार्ड घटना के समय बाहर था और उसकी पत्नी भी किसी काम से बाहर गई हुई थी। साठ-वर्षीय मृत महिला पड़ोसी राज्य कर्नाटक के कलबुर्गी जिले की मूल निवासी थी और इमारत में सफाईकर्मी-सह-सुरक्षाकर्मी के रूप में काम करती थी। वह भी बेसमेंट के एक अन्य कमरे में रहती थी। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि इसकी गहन जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। तेलंगाना अग्निशमन, आपदा प्रतिक्रिया, आपातकालीन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मामले में अग्नि सुरक्षा मानकों का घोर उल्लंघन सामने आया है।

फ्लावर शो

बेंगलूरु में रविवार को लालबाग बॉटनिकल गार्डन में रिपब्लिक डे के लिए लालबाग में लगे फ्लावर शो के 219वें एडिशन में वीकेंड पर भीड़ देखी गई।

केरल: यूडीएफ और माकपा ने प्रस्तावित हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने रविवार को प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का स्वागत किया और कहा कि यह परियोजना राज्य के लिए फायदेमंद होगी।

'मेट्रोमैन' ई श्रीधरन ने शनिवार को कहा था कि केरल में एक हाई-स्पीड रेल नेटवर्क देखने को मिल सकता है क्योंकि केंद्र द्वारा जल्द ही परियोजना की औपचारिक घोषणा किए जाने की उम्मीद है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि केरल को एक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की आवश्यकता है और कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ इस परियोजना का विरोध नहीं करता है। उन्होंने कहा कि यूडीएफ ने राज्य सरकार की सिल्वरलाइन परियोजना का विरोध इसके वित्तीय निहितार्थों और पर्यावरणीय चिंताओं के कारण किया था।

सतीशन ने यहां पत्रकारों से कहा, वह परियोजना अव्यावहारिक थी। उसमें कोई उचित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) नहीं थी। यह पर्याप्त अध्ययन या पर्यावरण प्रभाव आकलन के बिना जल्दबाजी में तैयार किया गया प्रस्ताव था। इसीलिए हमने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि एक वैकल्पिक परियोजना पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि राज्य को एक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, तो इसे आने दीजिए। उन्हें डीपीआर तैयार करने दीजिए।

विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि प्रस्तावित परियोजना आगामी विधानसभा चुनावों को प्रभावित नहीं करेगी और लोग केवल रेल लाइन के प्रस्ताव के कारण किसी को भी वोट नहीं देंगे।

राज्य के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने कहा कि उन्हें ऐसे किसी प्रस्ताव की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने इसका स्वागत करते हुए कहा कि जनता को हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से फायदा होगा। उन्होंने हालांकि उम्मीद जताई कि यह प्रस्ताव सबरी रेल और गुरुवायूर रेल जैसी कई पिछली परियोजनाओं की तरह महज एक घोषणा बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह आगामी चुनावों से पहले की गई मात्र एक घोषणा बनकर नहीं रह जानी चाहिए।

श्रीधरन ने शनिवार को कहा था कि यह नेटवर्क तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक के यात्रा समय को घटाकर 3.15 घंटे कर देगा।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के पूर्व प्रबंध निदेशक श्रीधरन ने कहा था कि हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए एक कार्यालय पहले ही स्थापित किया जा चुका है और वहां दो फरवरी से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा था कि मंजूरी मिलने के बाद, रेल परियोजना – जो वामपंथी सरकार की महत्वाकांक्षी 'सिल्वरलाइन' की जगह लेगी – पांच साल में 86,000 करोड़ रुपए से एक लाख करोड़ रुपए की लागत से पूरी हो जाएगी।

एच डी रेवन्ना की गिरफ्तारी कानून के तहत की गई : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसुरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को स्पष्ट किया कि जनता दल (सेक्युलर) विधायक एच डी रेवन्ना की गिरफ्तारी कानून के अनुसार हुई थी और सरकार ने इस मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं किया। मुख्यमंत्री ने जनता दल(एस) (जद-एस) के इस दावे का भी उपहास किया कि वह एक दिन सरकार बनाएगी और बदला लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जद (एस) के सत्ता में आने की कोई संभावना नहीं है। पूर्व मंत्री एच डी रेवन्ना को एक महिला के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसने उनके बेटे और हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर बलात्कार का आरोप लगाया था। एच डी रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के बेटे हैं। रेवन्ना की गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण बताने वाले जद (एस) के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने न तो इस मामले में हस्तक्षेप किया और न ही उसके पास हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार है। उन्होंने कहा, सिर्फ रेवन्ना के मामले में ही नहीं, हम किसी भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करते। सिद्दरामय्या ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कानून के अनुसार काम किया और आरोप लगाया कि जद (एस) वास्तविकता से परे जाकर राजनीतिक बयानबाजी कर रहा है।

रेवन्ना को 'फंसाने' के लिए अधिकारियों को रिश्वत दिए जाने के आरोपों को सिद्दरामय्या ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ये सभी आरोप झूठे हैं। कौन रिश्वत देगा?सीआईडी सूत्रों के अनुसार, हाल ही में प्रज्वल मामले की जांच करने वाली पुलिस टीम को 25 लाख रुपए का इनाम दिया गया है।

जब पत्रकारों ने इस बात पर ध्यान दिलाया कि जद (एस) का दावा है कि वह भाजपा के समर्थन से सत्ता में आएगी, तो सिद्दरामय्या ने ऐसे दावों की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया।जब राज्यपाल द्वारा 22 जनवरी की घटनाओं पर राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपने के बारे में पूछा गया, तो सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्यपाल ने केवल घटना का विवरण दिया है।मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें रिपोर्ट सौंपने दीजिए। उन्होंने केवल उस दिन जो कुछ हुआ उसकी जानकारी दी है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 163 कहता है कि राज्यपाल सदन को संबोधित करेंगे। यहां 'करेंगे' शब्द का प्रयोग किया गया है। इसलिए उन्हें संयुक्त सत्र को संबोधित करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सरकार राज्यपाल को भाषण का पाठ उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, कल हम उन्हें अपने भाषण की प्रति देंगे, लेकिन भाषण देना उन्हीं का काम है। हमने जो कुछ भी दिया है, उसे संयुक्त विधानमंडल की बैठक में पढ़ा जाना चाहिए।

छब्बीस जनवरी को होने वाले राज्यपाल के संबोधन के बारे में सिद्दरामय्या ने कहा कि इसमें बदलाव की गुंजाइश है, लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि कोई संशोधन किया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा, भाषण में बदलाव की गुंजाइश है। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि इसमें बदलाव किया जाएगा या नहीं।गणतंत्र दिवस परेड के लिए कर्नाटक की झांकी के संबंध में राज्य सरकार द्वारा केंद्र को पत्र न लिखने के भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि यह दावा गलत है। उन्होंने कहा, हमने लिखा है। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो मैं क्या कर सकता हूं? यह उनका फैसला है। केंद्र को हर राज्य की झांकी शामिल करनी चाहिए।

टीवीके के लिए 2026 के चुनाव महज चुनावी मुकाबला नहीं, एक लोकतांत्रिक लड़ाई है: विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मामल्लापुरम (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने रविवार को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को महज एक चुनावी मुकाबले के बजाय महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक लड़ाई करार दिया और कहा कि उनकी पार्टी के पास स्थापित राजनीतिक ताकतों को चुनौती देने का सामर्थ्य है।

विजय ने टीवीके कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए कहा, अब जो होने जा रहा है वह सिर्फ एक चुनाव नहीं है; यह एक लोकतांत्रिक लड़ाई है। आप ही वह सेनापति हैं जो इस लोकतांत्रिक लड़ाई का नेतृत्व करेंगे।

अभिनेता से राजनीतिक नेता बने विजय ने कहा कि केवल टीवीके में ही वर्तमान में सत्ता में काबिज 'दुष्ट ताकत' और राज्य पर पहले शासन कर चुकी 'भ्रष्ट ताकत' से मुकाबला करने का सामर्थ्य और जज्बा है।

उनका स्पष्ट इशारा सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और पहले शासन कर चुकी ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की ओर था। उन्होंने कहा, दुष्ट ताकत हो या भ्रष्ट ताकत, दोनों को ही तमिलनाडु में शासन नहीं करना चाहिए। केवल हममें ही ऐसी पार्टियों का सच्चे और निडर तरीके से विरोध करने का सामर्थ्य और जज्बा है।

विजय ने अपने राजनीतिक करियर के मूल उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा, हम जनता को बचाने और धरती को नुकसान पहुंचाने की मंशा रखने वाले किसी भी व्यक्ति से उनकी रक्षा करने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को मिलने वाला समर्थन पारंपरिक राजनीतिक दलों की सीमाओं से आगे है और राज्यभर के घरों में लोग उन्हें परिवार के सदस्य की तरह देखते हैं। साथ ही उन्होंने राजनीतिक ईमानदारी के ऊंचे मानक पर कायम रहने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि हम कभी भी किसी के लिए या किसी चीज के लिए अपनी राजनीति से समझौता नहीं करेंगे। विजय ने कहा, जो लोग पहले सत्ता में थे या जो अभी हैं, उनकी तरह मैं भ्रष्टाचार नहीं करूंगा। मैं एक पैसा भी नहीं लूंगा। मुझ पर भ्रष्टाचार का एक दाग तक नहीं लगेगा। उन्होंने राजनीतिक दबाव या राष्ट्रीय दलों के आगे झुकने की अफवाहों को भी खारिज किया। टीवीके प्रमुख ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारें भाजपा की गुलाम थीं और मौजूदा द्रमुक सरकार भी आकर्षक घोषणाओं के जरिए दिखावा करते हुए अप्रत्यक्ष रूप से आत्मसमर्पण कर चुकी है।

लेकिन उन्होंने माना कि व्यवस्था को सुधारना एक प्रक्रिया है और इसके लिए ऐसे नेता की जरूरत होती है, जिसे निजी फायदे की चाह न हो। उन्होंने कहा, आप शायद पूछेंगे-क्या यह कोई फिल्म है? क्या यह 'मुधलवन' (जिसमें नायक एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बन जाता है) फिल्म जैसा है? क्या वह आकर एक ही दिन में सब कुछ साफ कर देगा? व्यावहारिक रूप से ऐसा संभव नहीं है। यह एक प्रक्रिया है।

टीवीके नेता ने अपने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी रानी वेलु नाच्चियार और उनके सेनापतियों की विरासत का स्मरण किया।

विजय ने पार्टी कार्यकर्ताओं को अग्रिम पंक्ति के योद्धा और सेनापति बताते हुए कहा कि विरोधी भले ही उनकी ताकत को कम आंक रहे हों, लेकिन जनता उन्हें पहले ही स्पष्ट जनादेश देने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टियों के लिए बूथ सिर्फ वोट डालने की जगह होते हैं- और कई बार वोट चुराने की भी, लेकिन उनकी पार्टी के लिए बूथ लोकतंत्र के सभागार हैं।

विजय ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना है कि वहां लोकतंत्र की चोरी न हो। हमें हर एक वोट की रक्षा करनी है। उन्होंने आने वाले महीनों में पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने का आग्रह किया।

सभा में विजय ने अपनी पार्टी के चिह्न 'सीटी' का अनावरण किया और उसे बजाया, जिसमें उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका साथ दिया और उनका उत्साह बढ़ाया।

दुनिया भारत को बेंगलूरु के नजरिए से देखती है : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि आज दुनिया बेंगलूरु के नजरिए से भारत को देख रही है, जो देश के विकास और युवाओं में वैश्विक विश्वास को रेखांकित करता है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक से लौटने पर यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला देश है। लोगों को इस देश के युवाओं पर बहुत भरोसा है। विश्व नेता बेंगलूरु के नजरिए से भारत को देख रहे हैं। इस शहर में फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से अधिकांश के कार्यालय हैं। शिवकुमार ने कहा कि आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड और असम सहित 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कई राज्य सरकारों के प्रमुखों के साथ शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

उन्होंने कहा, ''65 देशों ने भाग लिया था। एलन मस्क जैसे बड़े कारोबारी भी मौजूद थे। लगभग 100 बैठकें हुईं और नयी नीतियों पर चर्चा की गई।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस में हुई चर्चाओं में डेटा सेंटर, वैश्विक दक्षता केंद्र, खाद्य और पेय पदार्थ, विमानन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स, और साथ ही 2047 तक भारत में विशेष रूप से बेंगलूरु में शहरीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। यूरोप में अपने यात्रा अनुभव का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने कहा कि अवसंरचना योजना और नागरिक अनुशासन उल्लेखनीय थे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने जानबूझकर दावोस में किसी भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर न करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''हमने वहां किसी भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर न करने का फैसला किया क्योंकि हम चाहते हैं कि विदेशी निवेशक यहां आएं और हमारे उपलब्ध संसाधनों, क्षमताओं, पर्यावरण, स्वच्छ ऊर्जा, प्रदूषण स्तर, प्रतिभा की उपलब्धता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा सेंटर की आवश्यकताओं को देखें।''

उन्होंने कहा कि निवेशकों ने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित करने के लिए छोटे शहरों में निवेश करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा, ''वे चाहते हैं कि ये शहर जीवंत हों। युवाओं को वहां रोजगार मिलना चाहिए और उन्हें बड़े शहरों में आने से बचना चाहिए।''

एलडीएफ नेता का शशि थरूर के साथ बातचीत से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के संयोजक टी पी रामकृष्णन ने रविवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) में शामिल होने को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ किसी भी तरह की बातचीत होने से जुड़ी खबरों को खारिज कर दिया। लेकिन उन्होंने कहा कि पार्टी में वामपंथी रुख का समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति का स्वागत किया जाएगा।

दुबई में माकपा से जुड़े लोगों के साथ थरूर की बातचीत की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए रामकृष्णन ने कहा कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हमने थरूर से कोई बातचीत नहीं की है। अगर वे अपना राजनीतिक रुख बदलते हैं तो हम बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

रामकृष्णन ने कहा कि थरूर फिलहाल कांग्रेस में हैं और कांग्रेस की राजनीतिक विचारधारा का पालन करने के लिए बाध्य हैं। उन्होंने कहा, अगर वे कांग्रेस छोड़ देते हैं, तो उनके राजनीतिक रुख पर चर्चा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ का आधार बढ़ाने के लिए पार्टियों, समूहों और व्यक्तियों का स्वागत है, लेकिन फिलहाल थरूर इस श्रेणी में नहीं आते। रामकृष्णन ने कहा, वे राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े सांसद हैं। अगर वे एलडीएफ का रुख स्वीकार करते हैं और मोर्चे की मदद करते हैं, तो हम उनसे चर्चा करने में संकोच नहीं करेंगे।

रविवार को खबरें आईं कि थरूर ने दुबई में माकपा के करीबी लोगों से मुलाकात की, जहां वे कोझिकोड में केरल साहित्य महोत्सव में भाग लेने के बाद गए थे।

कोझिकोड में थरूर ने कहा था कि उनके कुछ मतभेद हैं जिन पर पार्टी के भीतर चर्चा की जाएगी। थरूर और उनके खेमे ने अभी तक माकपा के साथ हुई चर्चाओं की खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सीईओ ने युवा मतदाताओं से गलत सूचनाओं से सतर्क रहने का आग्रह किया

पुडुचेरी/भाषा। पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पी. जवाहर ने रविवार को पहली बार मतदान करने वाले और युवा मतदाताओं से चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर फैलने वाली गलत सूचनाओं के प्रति सतर्क रहने की अपील की। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जवाहर ने निष्पक्ष चुनाव कराने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और युवा मतदाताओं से भ्रामक सामग्री के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।उपस्थित लोगों को अपने मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।इस वर्ष के समारोह की थीम 'माय इंडिया, माय वोट' रही। सीईओ ने कहा कि पुडुचेरी में चुनाव के दौरान नकद के बदले वोट (कैश-फॉर-वोट) एक गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा, मतदाताओं को किसी भी कीमत पर 'कैश-फॉर-वोट' का शिकार नहीं होना चाहिए और बिना समझौता किए इसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने चेताया कि यदि मतदाता नकद के लालच में वोट देते हैं तो वे बुनियादी सुविधाओं की मांग करने का नैतिक अधिकार खो देते हैं। जवाहर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को एक अभूतपूर्व प्रक्रिया बताते हुए कहा कि चुनावी कार्य कई चुनौतियों के बीच संपन्न किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लागू करने में तैनात अधिकारी अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें प्रक्रिया की शुचिता से समझौता किए बिना अपने दायित्व निभाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा पुडुचेरी में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) और अन्य कर्मचारियों के कार्य की नई दिल्ली में समीक्षा बैठकों के दौरान लगातार सराहना की गई है।

सोनिया गांधी शबरिमला सोना चोरी मामले के मुख्य आरोपी से मुलाकात के बारे में स्पष्टीकरण दें : भाजपा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को शबरिमला में सोना चोरी मामले के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ अपनी मुलाकात के पीछे के एजेंडे का खुलासा करना चाहिए।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर ने सोनिया गांधी और पोट्टी की एक तस्वीर दिखाई तथा दोनों की मुलाकात के उद्देश्य पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बैठक उस समय हुई थी जब सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष थीं और ओमन चांडी केरल के मुख्यमंत्री थे।

चंद्रशेखर ने पूछा, सोनिया गांधी और कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि बैठक के पीछे क्या एजेंडा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने पोट्टी के साथ इसी तरह की मुलाकात की थी, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।भाजपा नेता ने दावा किया कि कांग्रेस जहां एक ओर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों को धर्मनिरपेक्ष के रूप में पेश करती है, वहीं दूसरी ओर उसने दिल्ली में शबरिमला से सोना चुराने के आरोपी व्यक्ति के साथ बैठकें भी कीं।

चंद्रशेखर ने आरोप लगाया, सोनिया गांधी, कांग्रेस और पोट्टी के बीच क्या संबंध है? हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि पिछले 15 वर्षों से सोने की चोरी हो रही है। सोनिया गांधी की पोट्टी से मुलाकात की तस्वीर इसका स्पष्ट प्रमाण है।

बैल रेस

मुरुगमठ जाथरे के हिस्से के तौर पर रविवार को धारवाड़ के पास बैल रेस का एक दृश्य।

प्रधानमंत्री द्वारा रामसर के जिक्र से प्रदेश के अन्नदाताओं के परिश्रम को मिला सम्मान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की '130वीं कड़ी' में देशवासियों को संबोधित किया। वर्ष 2026 में इस कार्यक्रम का यह पहला संस्करण था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। मोदी ने अपने संबोधन में देशवासियों को गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) की शुभकामनाएं देते हुए संविधान निर्माताओं को नमन किया और राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) पर युवाओं से 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर मतदाता पंजीकरण कराने तथा पहली बार वोटर बनने को उत्सव की तरह मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होता है और राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के लोकतंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है।

प्रधानमंत्री ने 'स्टार्टअप इंडिया' की 10 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने उद्योग व स्टार्टअप जगत से जुड़े युवाओं से आग्रह किया कि अब देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता क्वालिटी होनी चाहिए और 'जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट' के संकल्प के साथ भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट बनाना होगा।

मोदी ने जनभागीदारी एवं सामूहिकता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए आजमगढ़ (उत्तरप्रदेश) में तमसा नदी पुनर्जीवन, अनंतपुर (आंध्रप्रदेश) में जलाशयों के पुनरुद्धार, अन्य स्थानों पर स्वच्छता अभियानों, पर्यावरण संरक्षण तथा 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के युवा अपने अनुभवों और जीवनशैली में भक्ति की भावना को शामिल कर रहे हैं। मोदी ने विदेशों में भारतीय समुदाय द्वारा संस्कृति संरक्षण और मलेशिया के भारतीय समाज के कार्यों की भी प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में श्रीअन्न (मिलेट्स) के बढ़ते महत्व पर चर्चा करते हुए राजस्थान के रामसर के किसानों के नवाचारों को सराहा। उन्होंने कहा कि रामसर ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी से 900 से अधिक किसान जुड़े हैं। ये किसान मुख्य रूप से बाजरे की खेती करते हैं और बाजरे को प्रोसेस करके रेडी-टू-ईट लड्डू तैयार किया जाता है, जिसकी बाजार में बडी डिमांड है। इसके साथ ही उन्होंने तमिलनाडु की महिला किसानों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में देशभर में 200 करोड़ पौधे लगाए जाने का जिक्र किया है। राजस्थान में भी हमारी सरकार ने इस अभियान से प्रेरणा लेकर 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प किया है। हमने पिछले वर्ष लगभग 7 करोड़ और इस वर्ष लगभग 12 करोड़ पौधे लगाकर कुल 19 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया है।

शर्मा ने कहा कि रामसर के किसानों द्वारा श्रीअन्न (बाजरा) को प्रोसेस कर रेडी-टू-ईट उत्पाद तैयार करना, उनकी मेहनत, नवाचार और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री जी का यह उल्लेख राजस्थान के अन्नदाताओं के परिश्रम को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान देने जैसा है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीअन्न आधारित नवाचारों से प्रदेश में किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी और स्वस्थ राजस्थान-समृद्ध राजस्थान के संकल्प को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लोग चुनावों में सक्रिय भागीदारी कर मतदाता प्रतिशत बढ़ाएं : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक ढांचे को मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने नागरिकों से चुनावों में सक्रिय भागीदारी कर मतदाता प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। राज्यपाल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माय इंडिया, माय वोट विषय पर राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक अरब से अधिक मतदाताओं के साथ सहिष्णुता की संस्कृति में निहित विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उन्होंने लोकतंत्र को और सशक्त बनाने के लिए निरंतर मतदाता जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। बागड़े ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने चुनावी खर्च कम करने के लिए एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था पर विचार करने की बात कही। राज्यपाल ने कहा, बचत को राष्ट्रीय विकास में उपयोग किया जा सकता है। बागड़े ने देश की चुनावी यात्रा को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहला आम चुनाव 1952 में अलग-अलग रंग के बैलेट बॉक्स का उपयोग करके हुआ था जबकि तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से मतदान को सरल, पारदर्शी और मतदाता-हितैषी बना दिया है। उन्होंने राज्यभर में विशेष गहन पुनरीक्षण में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका की सराहना की और कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ निर्वाचन आयोग की त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया ने सभी स्तरों पर पारदर्शिता सुनिश्चित की है। इससे पहले, राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 पर आधारित एक वृतचित्र भी जारी की, जिसमें अभियान की यात्रा को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारियों और बीएलओ ने अपने क्षेत्रीय अनुभव साझा किए। राज्यपाल ने चुनाव संबंधी कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए 79 अधिकारियों और कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए।

राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में 108 सामूहिक सूर्य नमस्कार से योगमय हुआ जयपुर का अल्बर्ट हॉल परिसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शहर की कड़कड़ाती सुबह रविवार को एक विशेष ऊर्जा से भर उठी, जब रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल परिस, जयपुरर योग का केंद्र बन गया। क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में 108 सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बड़ी संख्या में उपस्थित खिलाड़ियों, योग साधकों, युवाओं और सम्माननीय नागरिकों के साथ सूर्य नमस्कार किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े पोस्टर का विमोचन भी किया। क्रीड़ा भारती ने इस आयोजन को शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और आत्मिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक सहभागिता का सुंदर दृश्य देखने को मिला। योग कार्यक्रम के उपरांत कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ वॉर्ड 47, झोटवाड़ा में आयोजित एक बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रीय समस्याओं, विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा के वॉर्ड 54 स्थित अग्रसेन भवन, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 130वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भारतीय जनता पार्टी के समस्त कर्मठ कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश नागरिकों से बनता है और जब हर देशवासी मजबूत होगा, तभी एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि मन की बात में मोदी जी अक्सर मानवीय स्पिरिट और आत्मशक्ति की चर्चा करते हैं, जो चुनौतियों को परास्त कर आगे बढ़ती है। यह आत्मशक्ति हर नागरिक में होती है और यही शक्ति मिलकर राष्ट्र की शक्ति बनती है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय सद्भाव का दिवस है। लोकतंत्र हमारा सशक्त ढांचा है और इस ढांचे में जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान और पार्षद लोकतंत्र की पहली और मजबूत कड़ी है और हमारी कोशिश रहती है कि हम इस शक्ति से हमेशा जुड़े रहें और इन्हें कभी विकास कार्यों के लिए आर्थिक तौर पर कभी ही कोई कमी न पड़े। अजमेर हाईवे की 200 फीट सेक्टर रोड जो कालवाड़ को जोड़ेगी, उस पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मॉडल पार्क के लिए भी बजट स्वीकृत हो चुका है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि बिजली की कमी दूर करने के लिए नए ग्रिड स्टेशन की स्थापना हेतु स्थान चिन्हित करने का कार्य चल भी तेजी से चल रहा है। प्रदेश के किसानों को अब दिन में भी बिजली मिल रही है। रविवार को ही कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने वॉर्ड 56 के गिरधारीपुरा स्थित पंपिंग हाउस का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। करीब छ1.56 करोड़ की लागत से पंप हाउस में हो रहे नवीन सुविधाओं के विस्तार कार्यों का उन्होंने जायजा लिया। इस दौरान जलदाय विभाग के अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं मिल सकें।

राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ में युवक-युवती के शव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के एक होटल में युवती-युवती के शव मिलने की घटना सामने आई है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। पुलिस के अनुसार यह घटना बहरोड़ थाने के कांकर दोपा गांव के पास स्थित गणगौर मिडवे होटल में हुई। मृतकों की पहचान इंद्र मीणा (20) और मंजू धानका (19) के रूप में हुई है। ये दोनों नारायणपुर इलाके के अजबपुरा गांव के रहने वाले थे। बहरोड़ के पुलिस उपाधीक्षक सचिन शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर को पुलिस को सूचना मिली कि एक होटल के कमरे में युवक-युवती के शव फंदे पर लटके मिले हैं।

उन्होंने कहा, पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया और कमरे से नमूने लिए गए। पुलिस के अनुसार इन दोनों ने 22 जनवरी को होटल में कमरा लिया था। शनिवार सुबह इंद्र का एक दोस्त उनसे मिलने आया। बार-बार दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो उसने अंदर देखा और दोनों को लटका हुआ पाया। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और बाद में शाम को संबंधित परिवारों को सौंप दिया गया।

राजस्थान में ठंड का प्रकोप जारी, नागौर में तापमान शून्य से नीचे 1.3 डिग्री सेल्सियस रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में रविवार को भीषण ठंड का दौर जारी रहा, जहां नागौर में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो राज्य में सबसे कम था। भारत मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार, तापमान में फिलहाल बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि, शेखावाटी क्षेत्र और राज्य के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में कहीं-कहीं शीतलहर की स्थिति बनी रह सकती है।

इसने बताया कि 26 और 27 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है जिसके प्रभाव से 26 जनवरी को दोपहर बाद पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। आईएमडी ने कहा कि 27 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ का अधिक प्रभाव देखने को मिल सकता है और बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर, कोटा और अजमेर संभागों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज किए जाने की संभावना है। तापमान के आंकड़ों के अनुसार, चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नागौर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.3 डिग्री, फतेहपुर में 0.7 डिग्री, पाली में एक डिग्री, लूणकरणसर में 1.3 डिग्री, दौसा में 1.7 डिग्री, झुंझुनू में 2.3 डिग्री और चूरू में 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। राज्य की राजधानी जयपुर में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में कड़ाके की ठंड के साथ शीतलहर की स्थिति दर्ज की गई।

जुलूस

अजमेर में रविवार को मुस्लिम समुदाय के लोग त्योहार के दो दिन बाद 'बसंत पंचमी' मनाने के लिए अजमेर शरीफ दरगाह, अजमेर में एक धार्मिक जुलूस निकालते हुए।

उद्घाटन

विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा में दादी का फाटक स्थित राजस्थान आई हॉस्पिटल लेज़र एंड रेटीना सेंटर का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उद्घाटन किया।

'स्टोन मार्ट' में पत्थरों की किस्मों की लगायी जाएगी प्रदर्शनी

जयपुर। राजस्थान का खान, भू-विज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग जयपुर में 'स्टोन मार्ट' में अलग-अलग प्रकार के पत्थरों की विविधता, गुणवत्ता और विश्वव्यापी पहचान को प्रभावी तरीके से प्रदर्शित करेगा। विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने खनिज भवन में 'स्टोन मार्ट' की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया, राजस्थान खनिजों और खासतौर से पत्थरों की दृष्टि से विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राजस्थान में विश्वविख्यात संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन, क्वार्टजाइट की अनेक किस्म होने के साथ ही बलुआ पत्थर की भी अपनी पहचान है। हरा, काला रोजी पिंक, सफेद ग्रेनाइट सहित ग्रेनाइट की ही कई किस्म उपलब्ध हैं।

टी. रविकांत ने बताया कि 'स्टोन मार्ट' में खान व 'राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड' के मंडप में 40 से अधिक तरह के पत्थर प्रदर्शित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि देश-विदेश के प्राचीन व आधुनिक विश्वख्यात धरोहरों में राजस्थान के पत्थरों का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। अधिकारी ने बताया कि राम मंदिर, ताजमहल, संसद भवन सहित ख्यातनाम भवनों में राजस्थान के पत्थर का उपयोग होता आ रहा है। राम मंदिर के निर्माण में बंशी पहाड़पुर के बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है।

युवा मताधिकार के साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का भी करें बोध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में नव मतदाताओं का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र के निर्माता होने के साथ ही भविष्य के कर्णधार भी हैं।

वे अपने मताधिकार का उपयोग करने के साथ ही राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का भी बोध करें। शर्मा ने कहा कि नव मतदाता यह विचार करें कि हमारे देश और प्रदेश का स्वरूप कैसा हो, क्योंकि प्रत्येक वोट देश और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में नव मतदाता बनने के अवसर को उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया है, क्योंकि यह हमें लोकतंत्र की महानता और श्रेष्ठता का अहसास करवाता है। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का दायित्वबोध होना आवश्यक है कि हम हमारे जीवन को क्या दिशा देंगे।

शर्मा ने कहा कि युवा राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात करे और हमारे पूर्वजों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो वर्ष में युवाओं के हित में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने नसीराबाद में ब्रिगेड की तैयारी का लिया जायजा

अजमेर/दक्षिण भारत । लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने रविवार को नसीराबाद मिलिट्री स्टेशन का दौरा कर वहां तैनात लॉजिस्टिक यूनिटस की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्रोन तकनीक के उपयोग, प्रशिक्षण व्यवस्था और जवानों के कल्याण से जुड़े पहलुओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और सैनिकों से भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार रखने और आधुनिक तकनीक को तेजी से अपनाने का आह्वान किया। दरअसल, दक्षिणी कमान भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर जानकारी दी कि लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, वाईएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग सुदर्शन चक्र कोर, ने रविवार को नसीराबाद मिलिट्री स्टेशन का दौरा किया। यहां उन्होंने 'सबसे बेहतर ब्रिगेड' की तैयारी का जायजा लिया, जो फर्स्ट टू स्ट्राइक ब्रिगेड का हिस्सा है। इसके साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने कुछ अहम लॉजिस्टिक यूनिटस का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्हें ऑपरेशनल जिम्मेदारियों, ट्रेनिंग के खास पहलुओं, आधारभूत संरचना के सुधार और जवानों की भलाई से जुड़ी योजनाओं की पूरी जानकारी दी गई।

इसके बाद जनरल चौहान ने एक कैपेबिलिटी डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की, जिसमें सुदर्शन चक्र कोर के सभी फॉर्मेशन कमांडर मौजूद थे। उन्होंने इस मौके पर ड्रोन जैसी अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (यूएएस) और इनके काउंटर-यूएएस सिस्टम्स की अहमियत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि रिपेयर और रीजेनरेशन की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, ताकि तकनीक का सही इस्तेमाल हो सके। उन्होंने ट्रेनिंग के लिए भी बेहतर सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया।

उत्तर प्रदेश, देश की अर्थव्यवस्था का संबल बन रहा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश 'बीमारू' राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए आज भारत की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत संबल बन रहा है।

मथुरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश के पहले दौरे पर हार्दिक स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि नितिन नवीन का (पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद) पहला दौरा योगेश्वर श्रीकृष्ण की पवित्र भूमि मथुरा में हुआ है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की जनता और राज्यभर के भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष का हार्दिक स्वागत करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने नितिन नवीन को युवा ऊर्जा और संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के पाटलिपुत्र से पांच बार विधायक रह चुके नवीन ने भाजपा में विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मथुरा और इसके आसपास के क्षेत्रवृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव सदियों से सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए प्रेरणा के केंद्र रहे हैं। उन्होंने कहा, इस भूमि का हर कण श्रीकृष्ण और राधा रानी की आध्यात्मिक विरासत को अपने भीतर समेटे हुए है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह जिला भारतीय जनता पार्टी के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि होने के कारण भी विशेष महत्व रखता है।

'डबल इंजन' सरकार के तहत हुए विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब ''बीमारू'' राज्य नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन गया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, सरकार ने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित की है और बिना किसी भेदभाव के कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है, जिससे किसान, युवा, महिलाएं और गरीब समान रूप से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए गांवों से लेकर शहरों तक विकास कार्य प्रभावी ढंग से किए जा रहे हैं।

चुनाव आते ही बांटने-काटने वाली ताकतें सक्रिय हो जाती हैं : नितिन नवीन

मथुरा (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि चुनाव आते ही ''बांटने और काटने वाली ताकतें'' सक्रिय हो जाती हैं और उनसे राजनीतिक रूप से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए कहा, ''देश में ऐसी ताकतें काम कर रही हैं जो बांटने और काटने में विश्वास रखती हैं, संविधान का अपमान करती हैं। ऐसी ताकतें चुनाव आते ही सक्रिय हो जाती हैं और संविधान की दुहाई देने लगती हैं। हमें उनसे राजनीतिक रूप से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।''

उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सनातन परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी को इस बात पर गर्व है कि ऐसी सरकार बनी है।

त्रिपुरा: टीएमपी से सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने के बजाय रिपोर्ट कार्ड पेश करने का साहा का आग्रह

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) से आग्रह किया कि वह सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के बजाय अपने 'रिपोर्ट कार्ड' के साथ मतदाताओं के बीच जाये। भाजपा इस पूर्वोत्तर राज्य में सत्तारूढ है तथा उसे टीएमपी और 'इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी)' का समर्थन प्राप्त है। टीएमपी त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) में भी सत्तासीन है। सेपाहिजाला जिले के बिश्रामगंज में 'मन की बात' कार्यक्रम से संबंधित एक सभा में मुख्यमंत्री ने कहा, ''बहुत से लोग भाजपा की वास्तविक ताकत को नहीं समझते हैं, जिसके संरक्षक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जैसे लोग हैं।''

उन्होंने कहा, ''हमने भूमिगत गतिविधियों में शामिल लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास किए, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने अभी तक अपनी सोच और भाषा नहीं बदली है। हद से ज्यादा चालाकी अच्छी नहीं होती।'' उनका यह बयान विद्रोही से सांसद बने रंजीत देबबर्मा पर निशाना समझा जा रहा है। कभी प्रतिबंधित 'ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ)' का नेतृत्व कर चुके देबबर्मा ने 'त्रिपुरा सिविल सोसाइटी' के नाम पर राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया था, जो पिछले साल धलाई जिले के शांतिरबाजार में एक खूनी झड़प में बदल गया था।

गणतंत्र दिवस लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव : राज्यपाल पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों सहित समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों व राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव है।

लोकभवन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस भारतीय लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता का महान उत्सव है। उन्होंने कहा, यह पर्व हमें भारतीयता के उस गौरवपूर्ण स्वरूप का स्मरण कराता है, जो हमें विविधता में एकता के सूत्र में बांधता है। पटेल ने कहा, हमारा संविधान न केवल प्रत्येक नागरिक को अधिकार प्रदान करता है, बल्कि हमें अपने कर्तव्यों का भी निरंतर बोध कराता है। राज्यपाल ने कहा, भारतीय लोकतंत्र की शक्ति उसकी विविधता, सहिष्णुता और सहभागिता में निहित है। इन्हीं मूल्यों के बल पर भारत आज विकास के प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा, गणतंत्र दिवस हमें संविधान की गरिमा, उसकी शक्ति और हमारे दायित्वों को समझने तथा आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस अवसर पर संविधान निर्माताओं के आदर्शों एवं महापुरुषों के सपनों को साकार करने का संकल्प लें तथा एकजुट होकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

बंगाल में 'गंभीरा' नर्तक बदलती परिस्थितियों में स्वदेशी कला को बचाए रखने के लिए जूझ रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प. बंगाल में दक्षिण दिनाजपुर जिले के खगैल गांव में रहने वाले 57 वर्षीय माधव सरकार युवाओं की घटती भागीदारी और सोशल मीडिया रीलों की बढ़ती लोकप्रियता जैसी चुनौतियों के बीच 'गंभीरा' नृत्य को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

यह मुखौटा नृत्य एक लोक कला है जो रीति-रिवाजों और कहानी के जरिये प्रस्तुत किए जाने पर आधारित है। क्षेत्र में लगभग 20 सदस्यों वाले गंभीरा नृत्य मंडली का नेतृत्व करने वाले सरकार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वे दशकों से इस कला का अभ्यास कर रहे हैं, लेकिन बदलते हालात ने उन्हें और समूह के अन्य सदस्यों को चिंतित कर दिया है। उन्होंने कहा, ''मैंने नृत्य के चरण, मुद्रा और बारीकियां अपने पिता से सीखी थीं, जिन्हें मेरे दादाजी ने ये कौशल सिखाए थे। यह हमारे खून में है। मेरे बेटे को भी गंभीरा नर्तक बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। लेकिन दूसरों के लिए स्थिति अलग है। मेरे साथी अक्सर मुझसे कहते हैं कि उनके बच्चे अब इस कला का अभ्यास करने में रुचि नहीं रखते।'' सरकार ने कहा कि उन्हें मई से जुलाई तक के सीजन के दौरान कम से कम 10 बुकिंग मिलती थीं, लेकिन हाल के वर्षों में यह संख्या घटकर चार-पांच तक सीमित हो गई है। गंभीरा एक पारंपरिक मुखौटा नृत्य है जिसमें बुरा-बुरी (भगवान शिव और देवी पार्वती का प्रतिनिधित्व), देवी काली और विष्णु के नरसिंह अवतार जैसे पात्र शामिल होते हैं। पारंपरिक ढोल की थाप के साथ किया जाने वाला यह नृत्य बिना गायन के प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने बताया कि लकड़ी का मुखौटा, जिसे 2018 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त हुआ था, इस कला को संरक्षित करने में सहायक है।

बिहार: तेजस्वी यादव को राजद का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव को रविवार को यहां हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। हाल में हुए विस चुनाव में राजद की करारी हार हुई थी, जिसमें 'महागठबंधन' ने 36 वर्षीय नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खड़ा करके चुनाव लड़ा था। राजद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया, जिसमें यादव, प्रसाद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यादव की सबसे बड़ी बहन एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती भी बैठक में मौजूद थीं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। शनिवार को वह पार्टी में अपना राजनीतिक कद बढ़ने को लेकर आश्वस्त दिखे थे, क्योंकि उन्होंने राजद कार्यालय में कार्यकर्ताओं से कहा था कि वह बूथ स्तर से पार्टी संरचना में बदलाव करने के बारे में सोच रहे हैं।

तेजस्वी यादव और राज्यसभा सदस्य संजय यादव समेत उनके करीबी सहयोगियों को उनकी बड़ी बहन रोहिणी आचार्य ने विधानसभा चुनाव में हुई करारी हार के लिए सीधे तौर पर दोषी ठहराया था। रोहिणी ने यह भी आरोप लगाया था कि जब उन्होंने जवाबदेही तय करने पर जोर दिया, तो उन्हें गालियां दी गईं। यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादव को प्रसाद ने पिछले साल पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसके बाद तेज प्रताप ने अपना खुद का संगठन, जनशक्ति जनता दल बनाया है, जो अभी तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाया है।

राजद का नियंत्रण घुसपैठियों, साजिशकर्ताओं के हाथों में चला गया है : रोहिणी आचार्य का आरोप

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की रविवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से कुछ घंटे पहले पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया कि पार्टी का नियंत्रण ''घुसपैठियों और साजिशकर्ताओं के हाथों में चला गया है, जिनका एकमात्र उद्देश्य लालूवाद को नष्ट करना है।'' रोहिणी आचार्य 'एक्स' पर अपने पोस्ट में किसी का नाम लिए बगैर कहा कि पार्टी में नेतृत्व के लिए जिम्मेदार लोगों को ''सवालों से बचने या भ्रम पैदा करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।''

आचार्य ने दावा किया, ''वर्त्तमान की कड़वी, चिंताजनक एवं दुःखद सच्चाई यही है कि 'आज जनता के हक – हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए जानी जाने वाली, जन – जन की पार्टी की असली कमान फासीवादी विरोधियों के द्वारा भेजे गए वैसे घुसपैठियों – साजिशकर्ताओं के हाथों में है, जिन्हें लालूवाद को तहस – नहस करने के 'टास्क' के साथ भेजा गया है, कब्ज़ा जमाए बैठे ऐसे लोग अपने गंदे मकसद में काफी हद तक सफल होते भी दिखते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे लालूवाद व पार्टी की हित की बात करने वालों के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं। अगर वो चुप्पी साधता है, तो उस पर साजिश करने वाले गिरोह के साथ मिलीभगत का दोष व आरोप स्वतः ही साबित होता है।'' आचार्य ने रविवार को पटना में होने वाली राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से कुछ घंटे पहले 'एक्स' पर यह पोस्ट लिखी। वह सिंगापुर में अपने पति और बच्चों के साथ रहती हैं। इससे पहले, उन्होंने राजद के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई थी।

भागलपुर में प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे लोगों पर देसी बम फेंका, तीन लोग घायल

भागलपुर (बिहार)/भाषा। बिहार के भागलपुर जिले में दो लोगों ने देसी बम फेंककर तीन व्यक्तियों को घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब 11 बजे लोदीपुर थाना क्षेत्र के बहोरिया गांव में हुई, जब कुछ लोग देवी सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन के बाद घर लौट रहे थे। इसने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़ित एक ही समुदाय से हैं।

जिला पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया, आपसी कहासुनी के बाद दो लोगों ने प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे तीन व्यक्तियों पर देसी बम फेंके।

बयान में कहा गया, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। दोनों आरोपियों के परिसरों पर छापेमारी की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने एक देसी पिस्तौल और देसी बम बनाने में प्रयुक्त सामग्री भी जब्त की है।

इसने कहा कि मामले की जांच जारी है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर विपक्ष को 'कुचलने' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को निर्वाचन आयोग द्वारा 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' मनाए जाने को ''दुखद तमाशा'' करार देते हुए आयोग पर विपक्ष को 'कुचलने' और ''भाजपा की ओर से'' देश के लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ''अपने आकाओं के इशारे पर काम कर रहा है और लोगों के मतदान अधिकारों को ''छीनने'' में लगा हुआ है। बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने आकाओं की ओर से वे विपक्ष को कुचलने और भारत के लोकतंत्र की नींव को नष्ट करने में लगे हैं, फिर भी वे मतदाता दिवस मनाने की ढोंग कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री बनर्जी निर्वाचन आयोग पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जल्दबाजी में कराने का आरोप लगा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, निर्वाचन आयोग आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस मना रहा है, और यह कितना दुखद तमाशा है! आयोग अपने आकाओं की आवाज बनकर लोगों के मतदान के अधिकार छीनने में व्यस्त है, और फिर भी मतदाता दिवस मनाने का ढोंग कर रहा है। मैं आज उनके इस आचरण से बेहद निराश और व्यथित हूं। उन्होंने यह भी कहा, ''निर्वाचन आयोग तार्किक विसंगति के नाम पर नए-नए बहाने ढूंढ रहा है, ताकि लोगों को परेशान किया जा सके और उन्हें उनके चुनावी अधिकारों से वंचित किया जा सके।''

असम में सिर्फ 'मिया' समुदाय के लोगों को ही बेदखल किया जा रहा है : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को दावा किया कि राज्य में केवल 'मिया' (बांग्ला भाषी मुसलमानों) को ही बेदखल किया जा रहा है। शर्मा ने विपक्षी दलों पर 'मिया' तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस का प्रदेश मुख्यालय इस समुदाय के लोगों से भर गया है। शर्मा ने गुवाहाटी के आसपास की पहाड़ियों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए जाने की कथित खबरों को खारिज करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा, असम में केवल मियाओं को ही बेदखल किया जाता है। असमिया लोगों को कैसे बेदखल किया जा सकता है?

'मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्ला भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी बताते हैं। हाल के वर्षों में, इस समुदाय के कार्यकर्ताओं ने विरोध के तौर पर इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है। शर्मा ने दावा किया कि मीडिया गुवाहाटी की पहाड़ियों में संभावित बेदखली अभियान की अफवाहें फैला रहा है। उन्होंने दावा किया, चुनाव तक जब एक भी बेदखली नहीं होगी, तब पहाड़ियों में रहने वाले लोग समझ जाएंगे कि यह मीडिया ही था, जिसने उन्हें तनाव दिया था। राज्य की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल होने हैं, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश करेगा। शर्मा ने जोर देकर कहा, राज्य में भाजपा पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है। गुवाहाटी की पहाड़ियों में बेदखली कहां की गई है? उन्होंने कहा कि सरकार वास्तव में पहाड़ियों पर रहने वाले लोगों को बिना किसी भुगतान के भूमि अधिकार प्रदान करने पर काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि पहाड़ियों में रहने वाले 'मिया' को बेदखली का नोटिस दिया जाएगा, लेकिन किसी भी असमिया व्यक्ति को नहीं।

ड्रेसिंग रूम के माहौल में धैर्य लेकर आते हैं गांगुली : महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केपटाउन/भाषा। प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान केशव महाराज ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले एसए20 क्रिकेट लीग के फाइनल से पहले टीम के मुख्य कोच सौरव गांगुली की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय दिग्गज चीजों को लेकर काफी सकारात्मक है और ड्रेसिंग रूम के माहौल में धैर्य लेकर आता है।

गांगुली पहली बार प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में टीम ने फाइनल में जगह बनाई है।

महाराज ने कहा कि गांगुली का बड़े मुकाबलों में खेलने का अनुभव टीम के काफी काम आ रहा है।

महाराज ने दो बार के चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ होने वाले फाइनल से पूर्व शनिवार को कहा, ''दादा (गांगुली) काफी रोमांचित हैं। बेशक, वह पहली बार मुख्य कोच के तौर पर टीम से जुड़े हैं। वह एक ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने भारत को कई बड़े मौकों पर जीत दिलाई है। उनकी जानकारी और ड्रेसिंग रूम में उनके जैसे दिग्गज के अलावा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गजों की मौजूदगी माहौल को धैर्यपूर्ण बनाती है। वह काफी सकारात्मक व्यक्ति हैं, वह

जानकारी साझा करने के लिए तैयार रहते हैं क्योंकि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं।'' सनराइजर्स ने 2023 और 2024 में शुरुआती दो सत्र का खिताब जीता लेकिन पिछले साल एमआई केपटाउन के खिलाफ 76 रन की हार के बाद उप विजेता रहे।

जोहानिसबर्ग के वांडरर्स में दूसरे क्वालीफायर के दौरान धीमी पिच देखने को मिली थी लेकिन महाराज को यकीन है कि फाइनल की मेजबानी कर रहे न्यूलैंड्स की पिच उससे बेहतर होगी। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि यह पिच क्वालीफायर दो की पिच से बेहतर होगी। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विकेट है। बेशक, केपटाउन का मौसम काफी अच्छा है इसलिए क्रिकेट के अच्छे विकेट की उम्मीद है जिससे कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन रहे।'' महाराज को खुशी है कि एक समय टूर्नामेंट से बाहर होने के कगार पर खड़ी उनकी टीम ने सही समय पर लय हासिल की है और फाइनल में उनकी टीम इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान ने कहा, ''हमारे लिए सत्र थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहा है। हमारी टीम ने अपने मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया लेकिन हमने थोड़ी लय हासिल कर ली है और कल इसे बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। हमने रणनीति बनाई है और उसे पूरी तरह से लागू करने पर ध्यान दे रहे हैं।''

महाराज ने कहा, '' कल क्रिकेट का एक रोमांचक मैच होने वाला है, आपके पास एक मजबूत टीम है जो चार बार यहां तक आ चुकी है और दूसरी तरफ एक नई टीम है जो हर हाल में जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी।''

एक बार फिर भू-राजनीति में उलझा उपमहाद्वीप का क्रिकेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय उपमहाद्वीप में भू-राजनीति ने क्रिकेट को नया स्वरूप देकर उसे अब एक नए मोड़ पर खड़ा कर दिया है। इस क्षेत्र के क्रिकेट में दशकों तक राजनीतिक व्यवधान को बड़े पैमाने पर भारत-पाकिस्तान मुद्दे के रूप में देखा जाता था। लेकिन अब इसका स्वरूप भी बदल गया है।

राजनीतिक और राजनयिक मुद्दों से उपजे अनसुलझे द्विपक्षीय तनावों के कारण बांग्लादेश को सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को कहा कि टूर्नामेंट में उनके देश की भागीदारी सरकार की सलाह पर निर्भर करेगी, जिससे यह संकेत मिले कि वह बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए टूर्नामेंट से हट सकता है जिससे समस्याएं कुछ समय के लिए और बढ़ गईं।

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह से कहा, ''पाकिस्तान कीचड़ भरे पानी में मछली पकड़ने की कोशिश कर रहा था और दो बनाम एक (पाकिस्तान और बांग्लादेश बनाम भारत) का खेल खेलने की कोशिश कर रहा था।'' उन्होंने कहा, ''वे पहले से ही श्रीलंका में खेल रहे हैं। यह उससे जुड़ा हुआ मामला नहीं था। जहां जरूरत है वहां दखल क्यों देना। आखिकार नुकसान तो बांग्लादेश क्रिकेट टीम और उसके खिलाड़ियों का ही हो रहा है। विश्व कप में भाग न ले पाने वाले खिलाड़ियों का नुकसान बहुत बड़ा है।''

पीसीबी ने रविवार को विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिससे नक़वी ने जिस खतरे के संकेत दिए थे वह टल गया।

इसके बावजूद अभी तक द्विपक्षीय खेल संबंधों को ही प्रभावित करने वाली राजनीति का दायरा अब फैल रहा है। बांग्लादेश को अभी तक तटस्थ माना जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है।

इससे यह पता चलता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट अब कूटनीतिक समीकरणों से कितनी गहराई से जुड़ा हुआ है।

सुविचार

रात में चादर समेट दी है सूरज ने रोशनी बिखेर दी है शुक्र करो उस रब का जिसने आपको इतनी सुंदर सवेर दी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनभागीदारी से बदल रहा भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस से पहले, 'मन की बात' कार्यक्रम में विभिन्न समस्याओं के समाधान ढूंढ़ने वाले लोगों का उल्लेख कर उनका हौसला बढ़ाया है। देश में कई समस्याएं हैं। सिर्फ शिकायत करते रहने से उनका समाधान नहीं होगा। इसके लिए लोगों को आगे आना होगा। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में तमसा नदी की सफाई कर उसे 'नया जीवन' देने वाले लोगों का प्रयास सराहनीय है। प्रदूषण के कारण इस नदी की धारा अवरुद्ध हो रही थी। अब लोगों ने इसे निर्मल बना दिया है। नदियां मनुष्य को जीवन देती हैं। उनका अस्तित्व बचाने के लिए मनुष्य को आगे आना चाहिए। अक्सर कहा जाता है कि यूरोप में कई जगह नदियां बहुत साफ हैं। वे लोग अपनी नदियों में कचरा नहीं डालते। वहीं, भारत में कई नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन लोग उनमें कचरा डालकर प्रदूषित करते हैं। अगर हम अपना रवैया नहीं बदलेंगे तो नदियां कैसे साफ रहेंगी? हमें उनकी पवित्रता और स्वच्छता का ध्यान रखना होगा। देश के कई इलाकों में पेयजल की गंभीर समस्या है। भू-जल का इतना दोहन किया गया है कि उसका स्तर गिरता जा रहा है। पहले, जहां थोड़ी-सी खुदाई पर पानी मिल जाता था, अब कुआं गहरा खोदना पड़ता है। कई जगह तो बहुत गहरी खुदाई के बावजूद पानी नहीं मिलता। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में भी सूखे की गंभीर समस्या रही है। वहां स्थानीय लोगों ने जलाशयों को साफ किया। इससे भू-जल का स्तर बढ़ गया। उन्होंने हजारों पौधे लगाकर हरियाली को बढ़ावा दिया। इससे इलाके की तस्वीर ही बदल गई। ऐसे प्रयास उन इलाकों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं, जहां भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया है। वर्षाजल की एक-एक बूंद का सदुपयोग करना चाहिए।

देश के युवाओं में भजन क्लबिंग की बढ़ती लोकप्रियता उत्साहजनक है। नशे से दूरी और भगवान के भजनों में रुचि – यह ऐसा बदलाव है, जिसकी वर्षों से प्रतीक्षा थी। एक ओर जहां कुछ लोग युवा शक्ति को हिंसा और अभद्रता का महिमा मंडन करने वाले गानों से गुमराह कर रहे हैं, वहीं भजन क्लबिंग में मर्यादा का पूरा ध्यान रखा जाता है। इस चलन का सभी शहरों में प्रसार होना चाहिए। साथ ही, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में भी इसकी मर्यादा और शुचिता कायम रहे। गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की एक परंपरा से प्रेरणा ली जा सकती है। यहां के लोग, खासकर बुजुर्ग अपने घरों में खाना नहीं बनाते, क्योंकि कम्युनिटी किचन की अनूठी परंपरा जारी है। पूरे गांव के लिए एक ही जगह खाना बनता है और सभी लोग साथ बैठकर खाना खाते हैं। डेढ़ दशक से चली आ रही यह परंपरा समाज को एकता के सूत्र में बांधती है। क्या यह परंपरा अन्य गांवों में शुरू की जा सकती है? इससे समाज में समानता की स्थापना होगी। यह परंपरा पारिवारिक भावना को बढ़ावा देगी। इससे गृहिणियों का समय बचेगा। वे अन्य काम कर सकेंगी। अनंतनाग के शेखगुंड गांव में नशाखोरी की समस्या का अनूठा समाधान प्रशंसनीय है। इस गांव में दुकानदारों ने तंबाकू उत्पाद बेचने बंद कर दिए। इससे युवाओं में जागरूकता बढ़ी। अगर नशाखोरी की सामग्री दुकानों पर उपलब्ध नहीं होगी तो लोग अपनेआप नशे से दूरी बना लेंगे। हालांकि इसमें कुछ दिक्कतें हैं। कई लोग दूसरे विकल्प ढूंढ़ लेते हैं। उदाहरण के लिए, जहां शराब पर पाबंदी होती है, वहां तस्करी और जहरीली शराब की बिक्री के मामले देखने को मिलते हैं। एकतरफा पाबंदियां नशाखोरी पर कुछ हद तक नियंत्रण लगा सकती हैं। किसी व्यक्ति का संयम और दृढ़ संकल्प ही उसे बुरी आदतों से दूर रख सकता है।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि जागरूक, सजग और जिम्मेदार मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला होते हैं।

-वसुंधरा राजे

विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा में दादी का फाटक स्थित राजस्थान आई हॉस्पिटल लेज़र एंड रेटीना सेंटर का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उद्घाटन किया। यह आधुनिक नेत्र चिकित्सा केंद्र क्षेत्रवासियों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा।

-दिया कुमारी

सम्मानित घुमंतु जाति के श्रद्धालुओं की निःशुल्क पावन तीर्थ यात्रा एवं दिव्यांगजनों को सहयोग प्रदान करने वाले इस भव्य आयोजन में सहभागिता कर मन अत्यंत प्रसन्न हुआ। इस सराहनीय पहल हेतु आयोजकों को साधुवाद व सभी सहभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

समय का फेर

एक बार गुरु सत्येन्द्रनाथ अपने शिष्यों को यह बता रहे थे कि जीवन में तीन चीज़ें बहुत उलझी हुई होती हैंदिल, दिमाग और किस्मत। दिल कुछ चाहता है, फिर दिमाग उसे पाने के लिए रास्ता तलाश करता है, लेकिन अंत में वही होता है जो तक़दीर में लिखा होता है। सुबोध नामक एक युवक को यह बात समझ नहीं आ रही थी। गुरुजी उसे एक बगीचे में लेकर गए। वहां एक बंदर जामुन के पेड़ पर चढ़ाई करना चाहता था, लेकिन बागबान का मोटा डंडा उसे कुछ भी नहीं करने दे रहा था। बंदर ने एक-दो बार प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहा।

भूख बढ़ती जा रही थी। तभी, उस बगीचे में एक बुजुर्ग केले का गुच्छा लेकर आए और वह गुच्छा बंदर के सामने रख दिया। बंदर की खुशी का पारावार न था। उसने खुशी-खुशी हाथ आगे बढ़ाकर केले छीलने शुरू किए और गर्दन हिलाते हुए वह केले खाता रहा। यह दृश्य देखकर सुबोध ने गुरुजी की बात को समझ लिया और स्वीकार किया कि जीवन में जो होता है, वह तक़दीर ही तय करती है।

सामयिक

अमेरिकी दबाव के बीच भारतीय बजट की बड़ी परीक्षा

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय इतिहास के एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां वैश्विक राजनीति, व्यापारिक नीतियां और राष्ट्रीय हित आपस में गहराई से उलझ गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आक्रामक टैरिफ़ ने विश्व व्यापार व्यवस्था की स्थिरता को चुनौती दी है। अगस्त 2025 में भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ़ केवल शुल्क वृद्धि नहीं, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक और आर्थिक संदेश हैं। इस पृष्ठभूमि में बजट 2026 साधारण वार्षिक प्रक्रिया न रहकर भारत की आर्थिक दिशा तय करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज बनने की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप टैरिफ़ का प्रभाव भारतीय निर्यात के लिए गहरी चिंता का विषय बन चुका है। उपभोक्ता वस्तुएं, वस्त्र, रसायन, ऑटो कलपुर्जे और खुदरा उत्पाद जैसे क्षेत्र सीधे तौर पर इन शुल्कों की मार झेल रहे हैं। बढ़ी हुई लागत के कारण भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं। यह स्थिति केवल व्यापार घाटे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उत्पादन, रोजगार और निवेश पर भी नकारात्मक असर डालने की क्षमता रखती है। ऐसे में बजट 2026 से अपेक्षा है कि वह इस दबाव को अवसर में बदलने की स्पष्ट रणनीति प्रस्तुत करे।

वैश्विक स्तर पर ट्रंप टैरिफ़ संरक्षणवाद की उस नई लहर का प्रतीक हैं, जिसमें मुक्त व्यापार की अवधारणा धीरे-धीरे पीछे हटती दिख रही है। अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को प्राथमिकता देकर अंतरराष्ट्रीय नियमों को पुनर्परिभाषित कर रहा है। भारत के लिए यह संकेत स्पष्ट है कि अब केवल पारंपरिक व्यापार साझेदारों पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। बजट 2026 के माध्यम से भारत को यह संदेश देना होगा कि वह बदलती वैश्विक व्यवस्था में केवल अनुकूलन ही नहीं, बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है। निर्यात विविधीकरण इस पूरे विमर्श का सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरता है। वर्षों से भारतीय निर्यात कुछ सीमित बाजारों पर केंद्रित रहा है, जिससे किसी एक झटके का असर व्यापक हो जाता है। ट्रंप टैरिफ़ ने इसी कमजोरी को उजागर किया है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और यूरोप के उभरते बाजार भारत के लिए नए अवसर प्रस्तुत करते हैं। बजट 2026 में यदि विशेष निर्यात प्रोत्साहन, बाजार-विशेष रणनीतियां और लॉजिस्टिक समर्थन शामिल किए जाते हैं, तो भारतीय निर्यात नई दिशा पकड़ सकता है।

टैरिफ़ का प्रभाव रोजगार पर भी गहरा पड़ सकता है। निर्यात आधारित उद्योगों में मांग घटने से उत्पादन में कटौती और नौकरियों में कमी का खतरा बढ़ गया है। छोटे और मध्यम उद्योग, जो पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू मांग पर आधारित है, फिर भी निर्यात क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। बजट 2026 में रोजगार संरक्षण और सृजन के लिए लक्षित उपाय इस चुनौती का प्रभाव कम कर सकते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए यह बजट केवल वित्तीय संतुलन साधने का अभ्यास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मरक्षा की रणनीति गढ़ने का अवसर है। नीति विशेषज्ञों की राय है कि गैर-टैरिफ़ बाधाओं को हटाना, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाना और नीति स्थिरता सुनिश्चित करना समय की सबसे बड़ी मांग है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए स्पष्ट नियम और तेज निर्णय प्रक्रिया आवश्यक है। बजट 2026 यदि इस दिशा में ठोस संकेत देता है, तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और मजबूत स्थिति बना सकता है। घरेलू मांग को सशक्त बनाना ट्रंप टैरिफ़ के प्रभाव को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। जब देश का आंतरिक बाजार मजबूत होता है, तब बाहरी झटके सीमित प्रभाव डाल पाते हैं। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए आयकर राहत, उपभोग को बढ़ावा देने वाले कदम और अप्रत्यक्ष कर सुधार बजट 2026 की प्राथमिकताओं में शामिल हो सकते हैं। इससे न केवल खपत बढ़ेगी, बल्कि उद्योगों को स्थिर और विश्वसनीय मांग का आधार भी मिलेगा।

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं इस रणनीति की केंद्रीय धुरी बन सकती हैं। घरेलू विनिर्माण को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप बनाने के लिए तकनीक, पूंजी और नवाचार का संगठित विकास आवश्यक है। बजट 2026 में इन योजनाओं के विस्तार से आयात निर्भरता घटेगी और घरेलू उत्पादन को नई गति मिलेगी। इससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि प्रभावशाली उत्पादक की भूमिका निभा सकेगा। ऊर्जा आयात और कच्चे माल की निर्भरता भी ट्रंप टैरिफ़ के संदर्भ में एक संवेदनशील मुद्दा है। रूसी तेल आयात को लेकर अमेरिकी आपत्तियों ने भारत के सामने कूटनीतिक और आर्थिक संतुलन की चुनौती खड़ी कर दी है। संकेत मिले हैं कि आयात नीति में समायोजन से शुल्क राहत संभव हो सकती है। बजट 2026 में ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण और आत्मनिर्भर ऊर्जा नीति पर जोर देकर भारत अपने दीर्घकालिक हितों की रक्षा कर सकता है।

आधारभूत संरचना में निवेश किसी भी आर्थिक रणनीति की रीढ़ होता है। सड़क, रेल, बंदरगाह, ऊर्जा और डिजिटल ढांचे में निवेश से उत्पादकता बढ़ती है और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। बजट 2026 में यदि इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया, तो यह न केवल तात्कालिक आर्थिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि दीर्घकालिक विकास को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह निवेश भारत को वैश्विक अनिश्चितताओं से सुरक्षित रखने में सहायक होगा। शिक्षा और कौशल विकास पर खर्च भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण आयाम हो सकता है।

बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में वही देश टिकाऊ प्रगति करते हैं, जिनके पास कुशल और अनुकूलनशील मानव संसाधन होता है। बजट 2026 में नई तकनीकों, डिजिटल कौशल और नवाचार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान भारत के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर सकते हैं। यह निवेश भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनेगा। बजट 2026 ट्रंप टैरिफ़ से उत्पन्न दबाव को अवसर में बदलने का निर्णायक मंच साबित हो सकता है।

निर्यात विविधीकरण, घरेलू मांग की मजबूती, निवेश प्रोत्साहन और संरचनात्मक सुधार मिलकर भारत को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। यह बजट केवल संकट प्रबंधन का दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक रूप से प्रभावशाली भारत की स्पष्ट घोषणा बन सकता है। यदि बड़े, साहसिक और दूरदर्शी ऐलान हुए, तो बजट 2026 आने वाले वर्षों के लिए आर्थिक दिशा निर्धारित करने वाला ऐतिहासिक पड़ाव सिद्ध होगा।

नजरिया

गणतंत्र की उपलब्धियां गर्व का कारण हैं, किंतु खोया भी बहुत। भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा लीं-टू जी, कोयला आवंटन जैसी घोटालों ने अरबों लूटे। चुनावी बॉन्ड पर सवाल, नोटबंदी के बाद काला धन वापसी असफल। महिला असुरक्षा चरम पर- निर्भया से हाथरस तक बलात्कार की घटनाएं थम नहीं रही। जातिगत हिंसा, दलित अत्याचार जारी। किसान संकट गहराः न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग, कर्जमाफी नाकाफी। युवा बेरोजगारी तीनों प्रतिशत पर, असंतोष से हिंसा भड़क रही।

गणतंत्र की उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और भविष्य का संकल्प

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

मोबाइल : 9466526148

भारत का गणतंत्र आज 77 वर्ष का हो चुका है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान ने एक नई भारत की नींव रखी, जो स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों से प्रेरित थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हमने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की-साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान-प्रौद्योगिकी से लेकर आर्थिक-सैन्य क्षमता तक। विविध संस्कृति को मजबूत करते हुए राष्ट्र ने वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई। चंद्रयान मिशनों से अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी बने, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति ने भुगतान व्यवस्था बदल दी, जबकि ओलंपिक-एशियाड में पदकों की बौछार ने खेलक्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुईं। आज विश्व भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखता है, जहां सात से आठ प्रतिशत की विकास दर ने गरीबी उन्मूलन में योगदान दिया। लेकिन यह यात्रा सहज नहीं रही। आंतरिक चुनौतियां, सीमापार खतरे और सामाजिक विषमताएं बनी रहीं। गणतंत्र दिवस पर आत्मचिंतन आवश्यक है: हमने क्या पाया, क्या खोया और भविष्य के लिए क्या संकल्प लें?

भारत की पहली और सबसे बड़ी चुनौती थी-विविधता में एकता। महाद्वीप के आकार का यह देश सौ तीस करोड़ से अधिक लोगों, सैकड़ों भाषाओं-बोलियों, विविध धर्मों-संस्कृतियों का मेल था। स्वतंत्रता के समय आशंका थी कि यह एकजुट नहीं रहेगा। विभाजन की त्रासदी ने आशंकाओं को बल दिया, लाखों जानें गईं, लेकिन संविधान ने संघीय ढांचे से एकता सुनिश्चित की। अनुच्छेद एक ने 'भारत एक अखंड राज्य' घोषित किया। भाषाई राज्यों का पुनर्गठन, एकीकृत न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलवाद, अलगाववाद जैसी चुनौतियों के बावजूद हमने एकता बनाए रखी। पिछले 25 वर्षों में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, पूर्वोत्तर में शांति प्रक्रियाएं इसका प्रमाण हैं। आज 'एक देश, एक राशन' जैसी योजनाएं विविधता को शक्ति बना रही हैं। यह उपलब्धि कम नहीं-विश्व के अधिकांश बहुलवादी देश टूट चुके, लेकिन भारत अटल खड़ा है।

दूसरी चुनौती थी-लोकतंत्र को जीवंत बनाना। संविधान ने वयस्क मताधिकार, मौलिक अधिकार, धर्मनिरपेक्षता प्रदान की। संसदीय प्रणाली अपनाई, जो ब्रिटिश मॉडल से प्रेरित किंतु भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप। नेहरू युग से चली आ रही परंपरा में अठारह लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण हुए। न्यायपालिका ने जनहित याचिका के माध्यम से गरीबों के अधिकार स्थापित किए-विशाखा दिशानिर्देशों से महिला सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार से शिक्षा का अधिकार। महिला आरक्षण ने पंचायती राज में तैंतीस से पचास प्रतिशत क्रांति लाई, जो राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की प्रतीक्षा कर रहा। सूचना का अधिकार ने पारदर्शिता बढ़ाई, जबकि वस्तु एवं सेवा कर ने आर्थिक एकीकरण किया। चुनौतियां रहीं-आपातकाल जैसे काले अध्याय, लेकिन संस्थाओं ने पुनरुद्धार किया। आज त्रस्तंभ मजबूत हैं: चुनाव आयोग निष्पक्ष, भारतीय रिज़र्व बैंक आर्थिक स्थिरता का प्रहरी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र ने साबित किया कि गरीबी और निरक्षरता के बावजूद प्रजातंत्र फल-फूल सकता है।

तीसरी चुनौती थी विकास। वर्ष 1947 में सकल घरेलू उत्पाद दो लाख तीस हजार करोड़ था, आज चार सौ लाख करोड़ से अधिक। हरित क्रांति ने अन्न भंडार भरे, सफेद क्रांति ने दूध उत्पादन में विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसरो के सौ से अधिक उपग्रह मिशन, कोविशील्ड वैक्सीन ने आत्मनिर्भरता दिखाई। डिजिटल भारत ने सौ करोड़ से अधिक आधार कार्ड जोड़े, जबकि स्टार्टअप भारत ने एक लाख से अधिक स्टार्टअप जन्मे। सामाजिक मोर्चे पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम ने अस्सी करोड़ को सस्ता अनाज दिया, स्वच्छ भारत ने बारह करोड़ शौचालय बनाए। आयुष्मान भारत ने पचास करोड़ गरीबों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया। लेकिन असमानता बनी-ऊपर दस प्रतिशत के पास सत्तावन प्रतिशत संपत्ति, जबकि निचले पचास प्रतिशत के पास तीन प्रतिशत। ग्रामीण-शहरी खाई, किसान आत्महत्याएं चिंताजनक। फिर भी, गरीबी रेखा से बाहर पचीस करोड़ लोग निकले-यह गर्व का विषय।

गणतंत्र की उपलब्धियां गर्व का कारण हैं, किंतु खोया भी बहुत। भ्रष्टाचार ने जड़ें जमा लीं-टू जी, कोयला आवंटन जैसी घोटालों ने अरबों लूटे। चुनावी बॉन्ड पर सवाल, नोटबंदी के बाद काला धन वापसी असफल। महिला असुरक्षा चरम पर-निर्भया से हाथरस तक बलात्कार की घटनाएं थम नहीं रही। जातिगत हिंसा, दलित अत्याचार जारी। किसान संकट गहरा: न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग, कर्जमाफी नाकाफी। युवा बेरोजगारी तीनों प्रतिशत पर, असंतोष से हिंसा भड़क रही। प्रदूषण घातक, प्रांतीयता का जहर बरकरार। अभिव्यक्ति स्वतंत्रता पर दुरुपयोग। नक्सलवाद, आतंकवाद बने सिरदर्द। ये घाव भारत माता को रक्तरंजित कर रहे।

खोया भले हो, लेकिन हल संभव। भ्रष्टाचार पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने रिसाव रोका। महिला सुरक्षा हेतु फास्ट-ट्रैक कोर्ट, निर्भया कोष उपयोग बढ़ाएं। किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान उत्पादक संगठन मजबूत करें। रोजगार हेतु कौशल भारत, आत्मनिर्भर तीन से दस करोड़ नौकरियां सृजित संभव। सामाजिक सद्भाव हेतु संविधान जागरण अभियान चलाएं। प्रदूषण पर विद्युत वाहन नीति, नमामि गंगे को गति। पंचायती राज को सशक्त बनाएं-महिला प्रतिनिधित्व से स्थानीय शासन मजबूत। युवाओं को मुख्यधारा जोड़ें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-बिग डेटा से नफरत फैलाव रोका जा सकता। 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करने हेतु एकजुट हों। गणतंत्र दिवस मात्र परेड-झंडारोहण नहीं, आत्मचिंतन का अवसर। हमने एकता, लोकतंत्र, विकास पाया; भ्रष्टाचार, असमानता खोया। लेकिन युवा शक्ति हमारा हथियार। आशावादी रहें-भारतीय मॉडल अपनाएं। राष्ट्रपिता गांधी, संविधान निर्माता अम्बेडकर के सिद्धांतों पर चलें। गणतंत्र को कंटीली झाड़ियों से निकालें, उज्ज्वल भविष्य बनाएं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रैली

हैदराबाद में महिला कार्यकर्ता रविवार को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक विमेंस एसोसिएशन की 14वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस रैली में हिस्सा लेती हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने गांव को तंबाकू मुक्त बनाने के प्रयास के लिए युवक की सराहना की

श्रीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में अनंतनाग के युवक मीर जाफर की अपने गांव को नशे से मुक्त कराने के प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए कुछ करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

जाफर ने शेखगुंड गांव स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में 'मन की बात' के दौरान उनके काम का जिक्र करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से मनोबल बढ़ाने वाला है, और हमें बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेगा। जाफर ने कहा कि यह पहल करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देखा कि युवा नशे की लत के शिकार हो रहे हैं, जबकि कई बुजुर्ग तंबाकू के सेवन के कारण कैंसर से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, इसलिए मैंने युवाओं से बात करने और उन्हें नशे की लत से दूर करने का फैसला किया। हमने बुजुर्गों को भी तंबाकू सेवन के बुरे प्रभावों के बारे में समझाया। ईश्वर की कृपा से लोगों ने हमारी बात सुनी और हम अपने गांव को तंबाकू मुक्त बनाने में सफल रहे।

जाफर ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन भरे शब्दों से यह साबित हो गया कि अच्छे काम को नजरअंदाज नहीं किया जाता। उन्होंने कहा, युवाओं से मेरी अपील है कि वे अपने ज्ञान और क्षमता का उपयोग देश की बेहतरी में योगदान देने के लिए करें।

प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में कहा, जब परिवार और समाज की शक्ति एकजुट होती है, तो हम सबसे कठिन चुनौतियों पर भी काबू पा सकते हैं। मैंने अनंतनाग के शेखगुंड गांव के बारे में जाना है। वहां मादक पदार्थों, तंबाकू, सिगरेट और शराब से संबंधित समस्याएं काफी बढ़ गई थीं...।

शांति का संदेश देगी फिल्म 'इंडिया पाकिस्तान द फाइनल रेज़ोल्यूशन' : युवराज कुमार

श्रीनगर/एजेन्सी

26 जनवरी को देखते हुए सिनेमा में देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्में बन रही हैं और इसी कड़ी में नई फिल्म 'इंडिया पाकिस्तान-द फाइनल रेजोल्यूशन' का नाम भी शामिल हो गया है। फिल्म भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे लंबे संघर्ष को दिखाएगी। अब फिल्म निर्माता युवराज कुमार ने फिल्म की शूटिंग और कश्मीर के हालातों पर खुलकर बात की है। फिल्म निर्माता युवराज कुमार ने अपनी आगामी फिल्म 'इंडिया पाकिस्तान: द फाइनल रेज़ोल्यूशन' पर बात करते हुए कहा, ये फिल्म भारत और पाकिस्तान के गहन रिश्तों पर बनी है और यह फिल्म दोनों देशों के बीच शांति की बात करती है। बीते काफी समय से भारत और पाकिस्तान के रिश्ते ठीक नहीं चल रहे हैं और युद्ध तक के आसार देखने को मिले। ये फिल्म उन्हीं पहलूओं पर बात करते हुए दर्शकों के बीच बड़ा सरप्राइज लेकर आएगी। निर्माता युवराज कुमार ने आगे कहा, बीते साल ही दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ और युद्ध के नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिले। ये फिल्म दोनों देशों के बीच चल रही दिक्कतों का समाधान भी देगी।

फिल्म दिखाएगी कि पाकिस्तान और भारत के रहने वाले लोग क्या चाहते हैं? क्या वे सच में युद्ध चाहते हैं? जवाब है नहीं। कोई भी युद्ध और लड़ाई नहीं चाहता है। इसके अलावा, फिल्म में भारत-पाकिस्तान के बीच लग रहे पुराने मुद्दों को भी दिखाया जाएगा।

फिल्म का उद्देश्य है कि अभी भी देरी नहीं हुई है और दोनों देश एक अच्छे पड़ोसी की तरह रह सकते हैं, क्योंकि युद्ध के वक्त आम जनता को सबसे ज्यादा झेलना पड़ता है। फिल्म की शूटिंग पर निर्माता ने कहा, फिल्म का कुछ हिस्सा मुंबई में शूट होगा और कुछ हिस्से को कश्मीर में शूट करना है। हमने कुछ लोकेशन को फाइनलाइज किया है और जल्द ही वहां शूटिंग शुरू होगी।

पहलगाम में हुए हमले के बाद कश्मीर में शूटिंग को दोबारा शुरू करने के सवाल पर निर्माता ने कहा, कश्मीर बहुत खूबसूरत जगह है, लेकिन बीते साल पहलगाम में हुई घटना ने लोगों को थोड़ा डरा दिया। हालांकि उस दौरान में मैंने कश्मीर में शूटिंग की थी, और मेरा मानना है कि कश्मीर में टूरिज्म और क्षेत्रीय फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए सभी को कश्मीर की खूबसूरत वादियों में शूटिंग करनी चाहिए। वहां के स्थानीय लोग चाहते हैं कि कश्मीर पहला जैसा कश्मीर बन जाए और शूटिंग शुरू हो, क्योंकि कश्मीर के स्थानीय लोगों का रोजगार और घर टूरिज्म से चलता है।

फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

'मुल्क' और 'थप्पड़' के बाद निर्देशक अभिनव सिन्हा और अभिनेत्री तापसी पन्नू मिलकर एक बार फिर नई कहानी लेकर आ रहे हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म अस्सी के मोशन पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा की। 'मुल्क' और 'थप्पड़' में तापसी की अच्छी परफॉर्मेंस देखने के बाद फैंस फिर से तापसी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। वहीं, इस फिल्म में तापसी एक वकील की भूमिका में दिखाई देंगी। अभिनेत्री ने फिल्म का मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। यह मोशन पोस्टर काफी इंटेंस और प्रभावशाली है। इसमें एक लड़की पटरियों पर तेजी से भागती नजर आ रही है, जबकि पीछे कई लोग उसे पकड़ने के लिए दौड़ रहे हैं। इसके बाद तापसी पन्नू की एंट्री होती है। उनके चेहरे पर खून के छींटे हैं और वे वकील की यूनिफॉर्म में हैं। पोस्टर पर फिल्म की टैगलाइन लिखी है, उस रात वो घर नहीं पहुंची।पोस्टर में लिखी टैगलाइन कहानी के बारे में थोड़ा सा संकेत दे रही है। माना जा रहा है कि यह एक कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें इंसाफ की लड़ाई और गंभीर सामाजिक मुद्दों को दिखाया जाएगा।

अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म अस्सी का निर्माण टी-सीरीज कर रहा है। वहीं, फिल्म की स्टारकास्ट काफी दमदार है। इसमें तापसी के अलावा, कानी कुसृति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, जीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक, और सीमा पाहवा समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे।यह तापसी और अनुभव सिन्हा की साथ में तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों साथ में 'मुल्क' और 'थप्पड़' जैसी फिल्में कर चुके हैं, जो कि बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी के साथ ही यह फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के साथ क्लैश करेगी। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं। अब देखना होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा प्यार देंगे।

मोदी ने यूएई की 2026 को 'परिवार वर्ष' घोषित करने की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा 2026 को 'परिवार वर्ष' घोषित करने की पहल की रविवार को सराहना करते हुए इसकी तुलना भारत की परिवार व्यवस्था से की, जो देश की परंपराओं का हिस्सा है। अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने गुजरात के एक गांव में शुरू की गई एक पहल का जिक्र किया, जहां सभी परिवारों के लिए एक सामुदायिक रसोई चलाई जाती है।मोदी ने कहा, गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है। अगर मैं आपसे कहूं कि यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते, तो आपको हैरत होगी। इसकी वजह गांव की शानदार सामुदायिक रसोई है। उन्होंने कहा कि ये पहल न केवल लोगों को आपस में जोड़ती है, बल्कि इससे पारिवारिक भावना को भी बढ़ावा मिलता है।प्रधानमंत्री ने कहा, कई देशों में ऐसी परिवार व्यवस्था को लेकर बहुत सम्मान का भाव है। कुछ ही दिन पहले ही मेरे भाई यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भारत आए थे।

विक्रांत मैसी की फिल्म में दिख सकती हैं जेनिफर लोपेज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में अब तक जो करिश्मा सलमान खान और शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार भी नहीं कर पाए, वह अब विक्रांत मैसी करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक हलचल मचा दी है। इस फिल्म से जुड़ा सबसे चौंकाने वाला अपडेट यह है कि हॉलीवुड की ग्लोबल पॉप आइकन जेनिफर लोपेज इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिफर लोपेज विक्रांत मैसी की अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' के लिए एक खास 'वर्ल्ड पीस एंथम' गाने वाली हैं। यह पहली बार होगा जब किसी भारतीय अभिनेता की फिल्म में जेनिफर लोपेज जैसी वैश्विक स्टार अपनी आवाज़ देंगी। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट को 'पठान' और 'फाइटर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और निर्माता महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, यह कोई साधारण गाना नहीं होगा। जेनिफर लोपेज जिस 'वर्ल्ड पीस एंथम' पर काम कर रही हैं, उसका मकसद पूरी दुनिया में शांति, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना है। इस गाने की तुलना दिवंगत पॉप लीजेंड माइकल जैक्सन के ऐतिहासिक गीत 'हील द वर्ल्ड' से की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह एंथम अंग्रेज़ी और स्पेनिश भाषाओं में होगा और इसकी थीम भारतीय दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी दुनिया एक परिवार है और विश्व शांति पर आधारित होगी। विक्रांत मैसी की फिल्म 'व्हाइट' इस तरह सिर्फ एक सिनेमाई प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक सोच को वैश्विक मंच पर पहुंचाने की एक बड़ी कोशिश बनकर उभर रही है। जेनिफर लोपेज की मौजूदगी ने इस फिल्म को पहले ही अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है।

मनाली में रविवार को मनाली में मनाली विंटर कार्निवल 2026 के दौरान एक लोक डांसर 'नाटी लोक डांस' करती हुई।

ईशान खट्टर ने 'होमबाउंड' के ऑस्कर की अंतिम सूची में जगह न बना पाने पर भावुक प्रतिक्रिया दी

नई दिल्ली/भाषा

ऑस्कर की दौड़ में शामिल होने के बावजूद नामांकन हासिल न कर पाने वाली अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर अभिनेता ईशान खट्टर ने भावुक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

उन्होंने लिखा कि इस फिल्म की हमेशा उनके दिल में एक खास जगह होगी। 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि रही होमबाउंड भले ही अंतिम सूची में जगह न बना पाई हो, लेकिन ईशान के लिए इसकी यात्रा बेहद खास रही। नीरज घेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल मई में कान फिल्म फेस्टिवल की 'अनसरटेन रिगार्ड' श्रेणी में हुआ था।

यह फिल्म पत्रकार बशारत पीर के 'न्यूयॉर्क टाइम्स' में प्रकाशित लेख टेकिंग अमृत होम से प्रेरित है और इसमें ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी एक मुस्लिम और एक दलित युवक की बचपन की दोस्ती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने उपनामों के कारण लंबे समय से झेली गई सामाजिक उपेक्षा के बावजूद सम्मान और पहचान की तलाश में पुलिस में भर्ती होना चाहते हैं। हॉलीवुड के दिग्गज फिल्मकार मार्टिन स्कॉर्सेसी इस फिल्म से कार्यकारी निर्माता के तौर पर जुड़े रहे।

ईशान ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पर्दे के पीछे के फिल्माए दृश्यों को साझा करते हुए लिखा कि होमबाउंड उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आत्ममंथन की यात्रा रही है। उन्होंने इसे एक ऐसी कहानी बताया जो कठिन सच्चाइयों को दिखाने के बावजूद उम्मीद से भरी हुई है और जिसे वह हमेशा प्रेम, कृतज्ञता और नैतिकता की राह दिखाने के रूप में याद रखेंगे। वहीं विशाल जेठवा ने भी ऑस्कर की अंतिम सूची में शामिल न होने पर पर निराशा के बावजूद फिल्म पर गर्व जताया। उन्होंने लिखा कि नामांकन न मिलना दिल तोड़ने वाला है, लेकिन असफलता कोशिश न करने में होती है, न कि हारने में।

जयशंकर ने अमेरिकी सांसदों की मेजबानी की: सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर मुख्य रूप से हुई चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को तीन सदस्यीय अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापार और सुरक्षा सहित भारत-अमेरिका संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। यह चर्चा दोनों देशों के बीच संबंधों में जारी तनाव की पृष्ठभूमि में हुई।

बैठक में मौजूद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि वार्ता 'सार्थक' रही और इसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था।

जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ सहित अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक को 'अच्छी बातचीत' बताया। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका संबंधों, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कांग्रेस के साथ संवाद हमेशा से हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है।

गोर ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य माइक रोजर्स एएल, एडम स्मिथ और जिमी पैट्रोनिस के साथ मजबूत सुरक्षा, विस्तारित व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के साथ अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर एक उपयोगी बैठक अभी संपन्न हुई है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क (टैरिफ)लगाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई है। इस टैरिफ में रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क भी शामिल है।

प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष कई दौर की वार्ताएं कीं। हालांकि, भारत के कृषि और डेरी क्षेत्रों को खोलने की अमेरिका की मांगों के कारण यह समझौता अभी तक अंतिम रूप नहीं ले सका है।

रिया सेन: 15 साल की उम्र में फेस किया कैमरा, नहीं हासिल कर सकी मां और नानी जैसा मुकाम

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के बड़े पर्दे पर चमकने के लिए हर साल कई चेहरे आते हैं। नए चेहरे आते हैं, और कहां गायब हो जाते हैं, किसी को पता नहीं चलता। कुछ ही चेहरे ऐसे होते हैं जो सिनेमाई दुनिया में अपना मुकाम बना पाते। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं रिया सेन, जिन्हें विरासत में एक्टिंग मिली, लेकिन वो मुकाम हासिल नहीं कर पाई जो उनकी मां मुनमुन सेन और नानी सुचित्रा सेन ने हासिल किया था। 24 जनवरी को जन्मीं रिया सेन ने बाल कलाकार के रूप में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 1991 में फिल्म 'विषकन्या' में उन्हें बतौर चाइल्ड ऑटिस्ट देखा गया और उसके बाद रिया कई फिल्मों में नजर आई। उन्होंने हिंदी, तमिल और बंगाली सिनेमा में पैर जमाने की कोशिश की लेकिन असफल रहीं। रिया अपनी फिल्मों से ज्यादा फिल्म इंडस्ट्री में उनके विवाद और पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही थीं। यही कारण है कि फिल्मों के दौरान भी उनके लव अफेयर के चर्चे सबसे ज्यादा रहते थे। रिया ने करियर की शुरुआत 15 साल की उम्र में 1999 में आई तमिल फिल्म 'ताजमहल' से की थी, जिसके बाद रिया साल 2001 में आई 'स्टाइल', 'झंकार बीट्स', 'शादी नं. 1', और 'सपना मनी मनी' जैसी फिल्मों में दिखी। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप या कुछ औसत रहीं। साल 2005 में उन्हें हॉरर मलयालम फिल्म अनंथाभाद्रम में भी देखा गया। फिल्में आती रहीं, रिलीज हुईं, लेकिन रिया पहचान बना नहीं पाई। कई फिल्मों में काम करने के बाद रिया आज बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन आज भी उनकी फिल्मों से ज्यादा उनके विवादों की बात होती है। कहा जाता है कि रिया को सेट पर उनके टैंट्रम्स के लिए जाना जाता है। रिया सेट पर स्टॉफ से बदसलूकी के लिए बदनाम थीं। निर्माता उन्हें फिल्म इसलिए भी ऑफर करने से बचते थे क्योंकि उनके बदतमीजी के किस्से मशहूर थे। रिया का नाता एमएमएस लीक होने से लेकर रेव पार्टी में उनकी मौजूदगी तक से रहा था। निजी जीवन भी फिल्मों से कम नहीं था।

'बॉर्डर 2' फिल्म को मिल रही जमकर तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को लेकर हर जगह से सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

फिल्म में देशभक्ति, जज्बा और एक्शन का शानदार मिश्रण है, जिसने लोगों के दिलों को छू लिया है। फिल्म देखने के बाद बॉलीवुड के बड़े फिल्ममेकर करण जौहर भी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ करण ने फिल्म की टीम की मेहनत की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'बॉर्डर 2' के कई सीन मुझे रुला गए। देशभक्ति दिल से महसूस होती है। यह फिल्म तय तौर पर विजेता है! 'बॉर्डर 2' 1997 में आई जे.पी. दत्ता की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी, लेकिन नई फिल्म को नए दौर की कहानी और भावनाओं के साथ पेश किया गया है। फिल्म में सनी देओल सिपाही फतेह सिंह कलेर के किरदार में हैं। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है। इस बार 'बॉर्डर 2' में तीन सेनाओं (आर्मी, एयर फोर्स और नेवी) के जांबाजों की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में सनी देओल आर्मी ऑफिसर, वरुण धवन एक मेजर, दिलजीत दोसांझ एयर फोर्स पायलट और अहान शेट्टी नेवी ऑफिसर के रोल में हैं। 'बॉर्डर 2' उन लोगों के लिए खास है जो देशभक्ति वाली फिल्में पसंद करते हैं। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन से भरपूर है, इसमें दमदार एक्शन सीन्स भी हैं।

मुमुक्षु लवेश सिंघवी की जैनेश्वरी भागवती दीक्षा में श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र-ट्रस्ट ने आयोजित किया दीक्षा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र, ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव पर पांचवें दिन प्रातः 8 बजे वीर थाल का कार्यक्रम गुरु पुष्कर आराधना भवन में किया गया। इसके पश्चात आराधना भवन से मुमुक्षु लवेश सिंघवी के महाभिनिष्क्रमण यात्रा प्रारंभ होकर गुरुवन्ना देवरु मठ पहुंची और मठ प्रांगण में मुमुक्षु के दीक्षोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुमुक्षु के वीर माता-पिता रचनादेवी संजय सिंघवी एवं समस्त सिंधनूर निवासी परिवारजनों के साथ धर्म लाभार्थी परिवार मीठालाल भरतकुमार भंसाली व शांतिदेवी जवरीलाल उत्तमचंद, पदमराज, मनीषकुमार रातड़िया परिवार ने दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम की मंगल शुरुआत गुरु ज्येष्ठ पुष्कर चालीसा के मंगल गान, गुरु स्तुति, नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप स्मरण कर की। मुमुक्षु लवेश के दीक्षोत्सव कार्यक्रम विधि की मंगल शुरुआत नरेशमुनिजी ने करवाई। शालिभद्रमुनिजी ने मुमुक्षु को संयम विधि विधान से पाठ का पारायण करवाया। मुमुक्षु लवेश ने अपने आखिरी सांसारिक भाषण में साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी के उपकारों को याद करते हुए कहा कि आज संसार 'स्टार्टअप' में लगा है वहीं संत लोग 'वाइंडअप' में लगे हुए हैं। उन्होंने करीब 35 मिनट के धाराप्रवाह भाषण में संसार को छोड़ने लायक और संयम को ग्रहण करने लायक बताया। उन्होंने कहा कि आज मैं संसार को छोड़कर संस्कार व संयम की यात्रा पर निकल रहा हूँ। आज मेरी संसार से 'एक्जिट' और संयम में 'एंट्री' हो रही है। मुमुक्षु ने विभिन्न विधियों के पश्चात संसार व सांसरिक वेश बदलने के लिए धर्मसभा से बाहर गए और संयम का बाना 'सफेद धवल वस्त्र' धारण कर जैसे ही मुमुक्षु पांडाल में पहुंचे तो सभी श्रद्धालुओं ने गगनचुंबी संयमी नारों से सभागार को गुंजायमान कर दिया।

मुमुक्षु लवेश संयम पथ पर कदम रखकर बने 'हार्दिक मुनि'

दीक्षा विधि को आगे बढ़ाते हुए पंडितरत्न व्याख्यानी श्री ज्ञानमुनिजी, उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, लोकेशमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी, ऋद्धिश्रीजी, आस्थाश्रीजी, तरुणशीलाजी, सिद्धिश्रीजी आदि साधु साध्वियों की निश्रा में अभिजीत मुहूर्त में दीक्षा विधि करवाते हुए नरेशमुनिजी ने सभी परिवारजन व संघों की आज्ञा लेकर मुमुक्षु लवेश को 'करेमि भंते' के पाठ से अध्यात्म आराधक को आजीवन सामायिक के पाठ से दीक्षा ग्रहण करवाई। दीक्षा के बाद नूतन मुनि को संयम उपकरण, वस्त्र, पात्र, माला, रजोहरण, आसन आदि संयम साधना के संयम उपकरण प्रदान किए गए। नरेशमुनिजी से संयम रजोहरण प्राप्त करते ही नवदीक्षित मुनि श्रद्धा व समर्पण से झूम उठे। महासाध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी से प्रेरित होकर संयम ग्रहण करने वाले मुमुक्षु लवेश यानी नवदीक्षित मुनि का संयम जीवन का नामकरण करते हुए उनका नया नाम 'हार्दिकमुनिजी' रखा गया, जिसकी उद्घोषणा ज्ञानमुनिजी ने की। धर्म सभा में नवदीक्षित हार्दिक मुनिजी को श्री शालिभद्रमुनिजी का शिष्य घोषित किया गया। दीक्षा महोत्सव में उपस्थित सभी साध्वियों ने नवदीक्षित मुनिजी के सफल संयमी जीवन की ङ्गमंगल कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। ङ्गङ्ग-'संयम ही सुखी जीवन का राजमार्ग है'ङ्गङ्गउपस्थित सभी साधु साध्वियों ने मुमुक्षु लवेश सिंघवी को आशीर्वचन देते हुए संयम जीवन की महानता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयम ही सुखी जीवन का राजमार्ग है। मानवता की सेवा, जीवदया ही जैन दर्शन का मूल आधार है। शूरवीर आत्मा ही सिंह की तरह वीरता से अपने संयम का पालन करते हुए भगवान महावीर के जिनशासन की महती प्रभावना करते हुए अपने संयमी जीवन को सफल बनाते हैं और अपने साथ अपने गुरु, गुरुणी, माता, पिता, कुल का नाम रोशन करें। नवदीक्षित मुनि हार्दिकमुनिजी ने भी धर्म सभा को संबोधित करते हुए प्रथम मांगलिक प्रदान किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए सांसद पी सी मोहन का गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना की ओर से अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष अशोक कुमार रांका, माणकचन्द बडेरा, विनोद भुरट आदि ने स्वागत किया। सांसद ने कहा कि लवेश सिंघवी संसार छोड़कर संयम ले रहे हैं यह बहुत ही अनुकरणीय कार्य है। इस कार्य के लिए लवेश को आज्ञा देने वाला उनका परिवार अनुमोदना का अधिकारी है।

नरेशमुनिजी का आगामी चातुर्मास पूना में घोषित

इस मौके पर बेंगलूरु के विभिन्न संघों, सिंधनूर, चेन्नई, कोयम्बटूर, धारावी, सूरत, मैसूरु, बीजापुर, पुणे, गदग, हैदराबाद, हुब्बल्ली से जैन समाज सहित सिंधनूर से जैनेतर समाज के लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस मौके पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने अपना आगामी वर्ष 2026 का चातुर्मास पूना संघ को प्रदान किया। हैदराबाद, रामकोट संघ को साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन बेंगलूरु में साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, धारावी संघ में साध्वीश्री मल्लीश्रीजी, शांतिनगर संघ बेंगलूरु में साध्वीश्री मंगलज्योतिजी, गदग संघ में साध्वीश्री देवेन्द्रप्रभाजी के चातुर्मास की घोषणा की। नरेशमुनिजी ने आगामी वर्षीतप पारणा कार्यक्रम की स्वीकृति बीजापुर संघ को दी। चामराजपेट संघ के सज्जनराज सिंघवी ने भी नवदीक्षित मुनि की बड़ी दीक्षा के लिए निवेदन किया जिसे स्वीकार किया गया। दीक्षा के मौके पर गुरुवन्ना देवरु मठ के स्वामीद्वय भी उपस्थित थे।

संघ व गुरु भक्त बने दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम के बने साक्षी

इस अवसर पर समाजसेवी बाबूलाल रांका, नेमीचंद सालेचा, अशोककुमार रांका, माणकचन्द बडेरा, महावीरचन्द मेहता, महावीरचन्द धारीवाल, फूलचंद लुंकड़, हीराचंद पारख, दिनेश चोपड़ा, सुरेन्द्र गोलेछा, किशोर बागरेचा, प्रकाशकरण मेहता, दीपचंद भंसाली, सुरेन्द्र मेहता, किशोर भंसाली, विनोद भुरट, महेंद्र रांका, प्रवीण नेताणी, मीठालाल भंसाली, उत्तमचंद रातड़िया, पदमराज रातड़िया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के अनेक पदाधिकारीगण सहित अनेक संघ संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। आराधना भवन के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने धन्यवाद देते हुए भवन के निर्माण, भोजनालय व भवन को किराए पर लेने की योजनाओं की जानकारी दी। आराधना केन्द्र के सभी पदाधिकारियों सहित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन युवा सेवा संगठन, महिला मंडल, युवती मंडल, बालिका मंडल समेत शहर के अनेक मंडलों ने दीक्षा महोत्सव की व्यवस्थाएं संभाली।

'स्वस्थ रहने के लिए निरंतरता और अनुशासन ही वास्तविक कुंजी है'

जीतो साउथ लेडीज़ द्वारा 'हृदय स्वास्थ्य' पर जागरूकता सत्र आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण के तत्वावधान में हृदय स्वास्थ्य विषय पर 'दि कंसिस्टेंसी कोड, हार्ट हेल्थ मेड सिंपल' नामक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में महिलाएँ परिवार, कार्य और समाज की ज़िम्मेदारियों को निभाते हुए स्वयं के स्वास्थ्य को अक्सर पीछे छोड़ देती हैं। जब तक शरीर साथ देता है, तब तक उसकी अनदेखी होती रहती है और जब संकेत मिलने लगते हैं, तब हमें उसकी वास्तविक अहमियत समझ आती है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित मैराथन कोच एवं फिटनेस मार्गदर्शक दर्शन जैन ने हृदय स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को अत्यंत सरल, व्यावहारिक और दैनिक जीवन में सहज रूप से अपनाए जा सकने वाले तरीकों से समझाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए कठोर नियमों या असंभव दिनचर्या की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि निरंतरता और अनुशासन ही वास्तविक कुंजी है। नियमित चलना, पर्याप्त नींद, तनाव प्रबंधन, संतुलित दिनचर्या और सकारात्मक सोच जैसी छोटी-छोटी आदतें हृदय को लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य कोई एक दिन का लक्ष्य नहीं, बल्कि रोज़ निभाया जाने वाला संकल्प है। ङ्गलेडीज़ विंग की पूर्व चेयरपर्सन मधु डोशी ने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान 'वेलनेस इवेंट फिटनेस फिएस्टा' के अंतर्गत साप्ताहिक पुरस्कारों का भी वितरण किया गया। सह संयोजिका साक्षी नाहर ने धन्यवाद दिया तथा मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने संचालन किया। इस मौके पर लेडीज विंग की अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

जीवदया अभियान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु अलसूर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में जैन युवक संघ ने जीवदया अभियान के अंतर्गत पशु पक्षियों के लिए खाद्य सामग्री का संग्रहण किया। अलसूर निवासियों ने घर की बनी रोटी के अलावा गुड़, फल, सब्जी, भाजी, अन्न सामग्री विपुल मात्रा में प्रदान की। युवक संघ के अध्यक्ष लोकेश तातेड़, मंत्री संजय सुराणा के साथ अनेक कार्यकर्ताओं द्वारा यह संग्रहित सामग्री शहर की अनेक गौशालाओं, पशु आश्रयगृह, खुले जंगल आदि स्थानों पर वितरित की जाएगी। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा, मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संग्रह स्थल पर पहुंच कर युवक संघ की सेवा भावना की अनुमोदना की।

कारवान स्मैशर्स टीम ने जीता ने 'केपीबीएल-4 बाबूलाल कोटरिया कप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'केपीबीएल-4 बाबूलाल कोटरिया कप' बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्यारेलाल टपरावत के स्वामित्व वाली कारवान स्मेशर्स टीम ने एक कड़े मुकाबले में महेंद्र कटारिया के स्वामित्व वाली सोवन स्मैशर्स टीम को हराकर कप अपने नाम किया। बेंगलूरु के वसंतनगर स्थित केबीए में आयोजित इस प्रतियोगिता के लीग, सेमी व फाइनल के 217 मैच के पश्चात विजेता का फैसला हुआ। प्रतियोगिता में आठ टीमों के चयनित 184 पुरुष व महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता संयोजक रमेश गुगलिया, सह संयोजकों अमित कोठारी, शेखर चाणोदिया व विमल गांधी व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। रविवार को उद्घघाटन सत्र में प्रायोजकों, टीम खिलाड़ी, मालिकों, ट्रस्टिया, तेलंगाना, तमिलनाडु, हुब्बल्ली से आए मेहमानों की उपस्थिति थी। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया।

कांठा प्रांत हैदराबाद के चेयरमैन व समारोह के मुख्य अतिथि कांतिलाल नाहर, बेंगलूरु कांठा संघ के अध्यक्ष श्रीपाल खिवेसरा, चेन्नई संघ के महामंत्री गौतम गुगलिया, रूप रजत फाउंडेशन चेयरमैन शांतिलाल सुराणा, उद्यमी राजेंद्र कोटरिया, समाजसेवी महेंद्र मुणोत सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी व प्रायोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों में आपसी जुड़ाव, खेल कौशल व फिट जीवन शैली के दूरगामी परिणाम मिलेंगे। ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि उद्घघाटन समारोह में ट्रस्ट द्वारा आने वाले समय में महिलाओं के लिए आयोजित होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता 'सिम्पल कोठारी कप' के बैनर का लांच उत्तमचंद कोठारी, शांतिलाल सुराणा व प्रकाश भलगट एवं क्रिकेट प्रतियोगिता 'मोतीलाल मुणोत कप' के बैनर का लांच महेंद्र-हंसराज मुणोत द्वारा किया गया।

बन्नूर में डॉ अंबरीश की कास्य प्रतिमा का हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जिले के बन्नूर कस्बे में नगरपालिका तथा एमएलहुंडी मठ के पीठाधीश गवरीशंकर स्वामीजी के सान्निध्य में दिवंगत कन्नड़ फिल्म अभिनेता तथा पूर्व सांसद डॉ. अंबरीश की कास्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि महापुरुष की मूर्ति का अनावरण देश-समाज के लिए उनके महान कार्यों को याद करने, नई पीढ़ी को प्रेरित करने और उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए किया गया है। इस मौके पर पूर्व सांसद सुमलता अंबरीश, कन्नड़ फिल्म अभिनेता अभिषेक अंबरीश, विनोद प्रभाकर, हास्य कलाकार चिक्कन्ना सहित अनेक प्रशंसक व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

केरलः सोनाक्षी सिन्हा और पेटा इंडिया ने पल्लीपुरम श्रीकृष्ण मंदिर को भेंट की हाथी की प्रतिकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और 'पेटा इंडिया' ने प्रसिद्ध पल्लीपुरम श्रीकृष्ण मंदिर को एक यांत्रिक हाथी भेंट किया है, जिसका अनावरण रविवार को किया गया।

पशु कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले संगठन 'पेटा इंडिया' ने एक बयान में कहा कि तीन मीटर ऊंचे और 500 किलोग्राम वजनी इस यांत्रिक हाथी को पल्लीपुरम उन्नीकृष्णन नाम दिया है और। इसे मंदिर को दान में दिया गया, क्योंकि मंदिर ने हाथियों को कभी नहीं रखने या किराए पर लेने का निर्णय लिया था। उसने बयान में कहा, 2024 तक, मंदिर वार्षिक पूरम उत्सव के लिए तीन से पांच हाथियों का उपयोग करता था। लेकिन, पशु कल्याण और भक्तों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण बदलाव के तहत, मंदिर ने पूरम उत्सव के दौरान एक यांत्रिक हाथी - इरिंजडापिल्ली रमन - को शामिल किया। अब वह हाथियों का उपयोग नहीं करना चाहता।उसने कहा कि यांत्रिक हाथी का उपयोग मंदिर द्वारा समारोहों में किया जाएगा और इसका उदघाटन 'मेलम' प्रदर्शन के साथ किया गया।

यह 'पेटा इंडिया' द्वारा मंदिरों को दान किया गया 19वां यांत्रिक हाथी है और केरल में यह 10वां है।

पेटा ने कहा, एक यांत्रिक हाथी असली हाथी की तरह दिखता है, महसूस होता है और काम करता है। यह अपना सिर हिला सकता है, अपने कान और आंखें हिला सकता है, अपनी पूंछ हिला सकता है, अपना सूड़ उठा सकता है और यहां तक कि पानी भी छिड़क सकता है। इस पर चढ़ा जा सकता है और इसकी पीठ पर सीट लगाई जा सकती है। यह बिजली के स्रोत में प्लग लगाकर आसानी से संचालित होता है और इसे अनुष्ठानों और जुलूसों के लिए पहिए वाले आधार पर ले जाया जा सकता है। सोनाक्षी ने इसी बयान में कहा है कि ईश्वर की हर रचना सम्मान की हकदार है और मंदिर में यांत्रिक हाथी के आने से हाथियों को आजादी दिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, पल्लीपुरम उन्नीकृष्णन इस बात का एक सुंदर उदाहरण है कि कैसे परंपरा और प्रौद्योगिकी भले के लिए एक साथ आ सकती हैं। मंदिर के तंत्री (प्रधान पुजारी) अन्निमंगलम नारायणन नंबूदरी ने कहा कि जब दो साल पहले एक यांत्रिक हाथी का इस्तेमाल किया गया था, तो भक्तों ने इसे बहुत पसंद किया था और उत्सव भी सुरक्षित रूप से आयोजित किए गए थे।

उड़िया गायक अभिजीत मजूमदार का निधन

भुवनेश्वर/भाषा। मशहूर उड़िया संगीतकार और गायक अभिजीत मजूमदार का रविवार को एम्स भुवनेश्वर में इलाज के दौरान निधन हो गया। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वह 54 वर्ष के थे।

मजूमदार को पिछले वर्ष चार सितंबर को उच्च रक्तचाप, हाइपोथायरॉयडिज्म और लिवर की पुरानी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर द्वारा जारी बयान के अनुसार, आईसीयू में लंबे समय तक इलाज के बाद 10 नवंबर को उन्हें उपचार के लिए मेडिसिन वार्ड में स्थानांतरित किया गया था।

इसने बताया कि 23 जनवरी को उन्हें अचानक बुखार (संक्रमण) हो गया, जिसका मानक प्रोटोकॉल के तहत इलाज किया गया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और उनकी ऐसी गंभीर सेप्टिक अवस्था हो गई जिसमें तमाम इलाज और दवाओं के बावजूद मरीज की हालत में सुधार नहीं होता।

अस्पताल के बुलेटिन में कहा गया उड़िया गायक को आज सुबह 7.43 बजे दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद एसीएलएस (एडवांस्ड कार्डियोवस्कुलर लाइफ सपोर्ट) प्रोटोकॉल के अनुसार सीपीआर शुरू किया गया।

करुणा के बिना कानून अत्याचार बन जाता है : सूर्यकांत

पणजी/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि करुणा के बिना कानून अत्याचार बन जाता है और कानून के बिना करुणा अराजकता का कारण बनती है। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग पर गोवा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के 30 दिन के विशेष जागरूकता अभियान के समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह समझना चाहिए कि मादक पदार्थों का दुरुपयोग केवल आपराधिक समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय समस्या भी है, जिससे निपटने के लिए प्रतिशोधात्मक बयानबाजी नहीं, बल्कि परामर्शपूर्ण कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के दुरुपयोग पर महीने भर चला यह अभियान इस भावना को स्पष्ट रूप से दर्शाने में सफल रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं विधि व्यवस्था और सामाजिक परिवर्तन के बीच महत्वपूर्ण अंतर्संबंध पर भी बात करना चाहूंगा। पिछले चार दशक में मैंने न्याय देने के हमारे तंत्र के विकास को देखा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**